www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 281 नई दिल्ली, मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

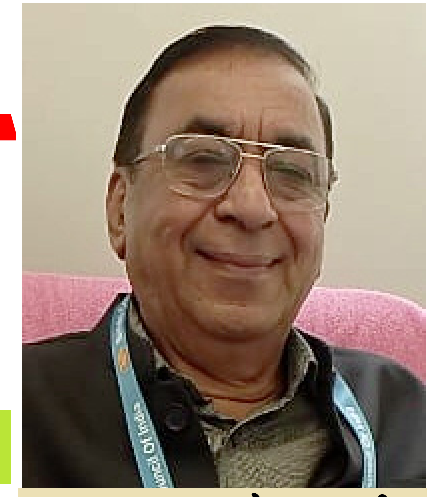

सलाहकार संपादकः अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

बांकीपुर में भाजपा का किला ढहा, पीके ने किया फतह

- प्रशांत ने नीरज सिन्हा को 19,324 वोटों से हराया, राजद तीसरे नंबर पर
- 1995 से बांकीपुर सीट पर था भाजपा का कब्जा

पटना/(ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट बांकीपुर पर जनसुराज के संस्थापक व प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने भारी मतों से जीत दर्ज कर भाजपा के परंपरागत सीट को ढाह दिया है। पीके ने बीजेपी के नीरज सिन्हा को 19,324 वोटों से हराया।

प्रशांत किशोर को 64,151 वोट मिले। वहीं नीरज सिन्हा 44,827 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

राजद की रेखा कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं। उन्हें 14,241 वोट मिले, जो प्रशांत किशोर की जीत के अंतर से भी कम हैं। बांकीपुर में कुल 34.30% मतदान हुआ था, यानी 1,30,208 वोट पड़े। इनमें प्रशांत किशोर को 48.54% वोट मिले। 2025 के विधानसभा चुनाव में नितिन नवीन इसी सीट से 51 हजार से अधिक वोटों से जीते थे। उन्हें 98,299 वोट मिले थे।

पीके ने नीरज सिन्हा पर आरंभ से ही बढ़त बनाए रखीः

इस हाई प्रोफाईल सीट पर जैसे ही वोटों की गिनती शुरू हुई प्रशांत किशोर ने भाजपा के नीरज सिन्हा पर बढ़त बनाए रखी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गए वोटों का मार्जिन भी बढ़ती गई। जबकि राजद प्रत्याशी रेखा कुमारी शुरू से ही तीसरे नंबर पर रही, दोपहर तक रेखा देवी मैदान से साफ हो गई। उसके बाद पीके और नीरज सिन्हा के बीच मुख्य मुकाबला हुआ, इसके साथ समर्थकों की धड़कने भी तेजी से धड़कती रही। 15वें राउंड के मतगणना के बाद जब भाजपा कार्यालय में विरानगी छा गयी तो स्पष्ट हो गई कि भाजपा के नीरज सिन्हा पिछड़ गए हैं अब पीके पर बढ़त बनाना मुश्किल है।

दूसरी ओर जनसुराज के समर्थक अपनी पार्टी के पीले झंडे लेकर सड़क पर उतर आए और पहली सोमवारी के दिन होली मनाना शुरू कर दिया। वहीं सोशल मीडिया पर भी प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी ट्रेंड कर रही है।

बांकीपुर में 34.30% हुई थी वोटिंगः

बांकीपुर उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को मतदान हुआ था। इस सीट पर कुल 25 प्रत्याशी मैदान में थे। सिर्फ 34.30% वोटिंग हुई थी। यह 2025 के विधानसभा चुनाव में हुए 41.39 प्रतिशत मतदान से लगभग 7 प्रतिशत कम है।

इसी कम वोटिंग ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। भाजपा इसे अपने परंपरागत मतदाताओं की कम भागीदारी से जोड़कर देख रही थी, जबकि जनसुराज का दावा था कि कम मतदान बदलाव के पक्ष में शांत वोटिंग का संकेत हो सकता है। दूसरी ओर राजद का मानना था कि उसके समर्थक मतदाता पूरी तरह मतदान में शामिल हुए हैं।

1995 से बांकीपुर सीट पर था भाजपा का कब्जाः

बांकीपुर में 30 साल से भाजपा को कोई हरा नहीं पाया।

1995 से लगातार इस सीट पर भाजपा का कब्जा रहा। पहले नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा और उसके बाद उनके बेटे नितिन नवीन लगातार यहां से चुनाव जीतते रहे।

2025 के चुनाव में बांकीपुर से विधायक चुने गए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा चले गए।

इसके बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जिससे यह सीट खाली हुई और उपचुनाव कराना पड़ा।

सीएम सम्राट ने पीके को दी जीत की बधाई

पीके की जीत के बाद सीएम सम्राट चौधरी ने उन्हें बधाई दी है। सीएम ने एक्स पर लिखा- लोकतंत्र के महापर्व में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जनता ने जनसुराज को चुना है। मैं जनता के इस निर्णय का सम्मान करते हुए उन्हें बधाई देता हूं।

जीत को प्रशांत किशोर ने जनता का संदेश बताया

अपनी जीत को प्रशांत किशोर ने जनता का संदेश बताया। प्रशांत किशोर ने कहा कि जीत तो हो चुकी है।

इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी नेतृत्व से बिहार में मुख्यमंत्री बदलने की अपील की। उन्होंने कहा, किसी अपराधी को मुख्यमंत्री बनाइएगा तो बिहार की तरक्की नहीं होगी।

इससे पहले जनसुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने इसे जनता की जीत और भाजपा के अहंकार की हार बताया।

उन्होंने कहा, बिहार में लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए यह एक बड़ी जीत है।

सार संक्षेप

कर्नाटक में 20 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई

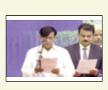

बेंगलुरु। कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार में 20 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान कांग्रेस नेता एचसी बालकृष्ण, केएस बसवंथप्पा और डॉ. अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

मोदी ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय खिलाड़ियों को बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि उनकी मेहनत आने वाले वर्षों में युवाओं को प्रेरित करेगी। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा, 'ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हमारे खिलाड़ी दल के प्रदर्शन पर गर्व है। खुशी है कि भारत ने 13 स्वर्ण सहित 39 पदक जीते। हमारे पदक विजेताओं को बधाई।' उन्होंने कहा, 'पूरे आयोजन के दौरान हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अद्भुत कौशल, निश्चय और समर्पण दिखाया है।

भारतीय रिजर्व बैंक एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरू

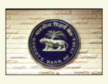

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इस बैठक में ब्याज दरों (रेपो रेट) के साथ देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इस बैठक के फैसलों का ऐलान बुधवार को आबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से सुबह 10 बजे किया जाएगा।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में बरी कर दिया।

छह महिला पहलवानों से जुड़ा था मामला

राउज एवेन्यू अदालत के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने अंतिम बहस पूरी होने के बाद दो जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे आज सुनाया गया। मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई थी। यह मामला ओलंपियन विनेश फोगाट सहित छह महिला पहलवानों के लगाए आरोपों से जुड़ा था, जिन्होंने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के रूप में श्री सिंह के कार्यकाल के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। कथित घटनाएं 2016 से 2019 के बीच महासंघ के कार्यालय, श्री सिंह के सरकारी आवास और विदेशी दौरों के दौरान होने की बात कही गई थी। श्री सिंह ने लगातार सभी आरोपों से इनकार किया था।

- दिल्ली राउज एवेन्यू अदालत ने सुनाया फैसला

फैसले को चुनौती देंगी विनेश

नई दिल्ली। देश की जानी मानी महिला पहलवान विनेश फोगाट ने सोमवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न के आरोपों में निचली अदालत द्वारा बरी किये जाने वाले फैसले को ऊपर की अदालत में चुनौती दी जाएगी। सुश्री विनेश ने जोर देकर कहा कि न्याय के लिए उनकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

दिल्ली के उस्मानपुर में मकान की छत गिरी, पति-पत्नी की मौत

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में रविवार रात मकान की छत गिरने से पति-पत्नी की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने दोनों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली दमकल विभाग के अनुसार, रविवार रात करीब 10:31 बजे उस्मानपुर स्थित हंसराज डेयरी के पास मकान गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क फायर स्टेशन से तीन वाटर टेंडर और एक इमरजेंसी रेस्क्यू टेंडर मौके पर भेजा गया। राहत एवं बचाव अभियान का नेतृत्व स्टेशन ऑफिसर सुनील सागर ने किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि करीब 120 वर्ग फुट क्षेत्रफल में बनी ग्राउंड प्लस वन मंजिला इमारत की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय घर के अंदर मौजूद पति-पत्नी मलबे के नीचे दब गए। दमकल विभाग के मौके पर पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने दोनों को मलबे से बाहर निकाल लिया और कैट्स एंबुलेंस की मदद से जगप्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. संतोष ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय टिंकू पुत्र सोरेन सिंह, और उनकी 30 वर्षीय पत्नी उर्मिला के रूप में हुई है। शुरूआती जांच में मकान की छत कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है।

सरकार ने संसद में दिया लिखित जवाब

ऊर्जा व वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से बढ़ी थोक महंगाई

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक बाजार में ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें रहीं। खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, धातु, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी का असर थोक महंगाई पर पड़ा है। लोकसभा में एक लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इन उपायों के कारण खुदरा महंगाई (सीपीआई) को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक बढ़ाया है, खुले बाजार में अनाज की बिक्री की है और जरूरत के अनुसार व्यापार नीतियों में बदलाव किए हैं। इन कदमों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित रखना और उपभोक्ताओं को राहत देना है। आंकड़ों के अनुसार, मई में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर 9.68 प्रतिशत थी, जो जून में बढ़कर 9.87 प्रतिशत हो गई।

- महंगाई कम करने के लिए सरकार कई कदम उठा रही

पांच वर्षों के लिए लक्ष्य तय किया था

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ मिलकर मार्च 2026 में अगले पांच वर्षों के लिए खुदरा महंगाई का लक्ष्य तय किया था। इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत रखा गया है। साथ ही इसमें 2 प्रतिशत की निचली और 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा तय की गई है। इस बीच, जून 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की भारत ने जिम्मेदारी संभाली

हाइड्रो में हुए समापन समारोह में स्कॉटलैंड ने भारत को जिम्मेदारी सौंपी

ग्लासगो, 3 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रविवार को आधिकारिक तौर पर समापन हुआ और भारत ने 2030 में अहमदाबाद में होने वाले गेम्स के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की जिम्मेदारी संभाली। हाइड्रो में हुए समापन समारोह में स्कॉटलैंड ने भारत को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा की मौजूदगी में कॉमनवेल्थ का झंडा आधिकारिक तौर पर भारत को सौंपा गया। इसके बाद भारत ने मशहूर गायक-संगीतकार शंकर महादेवन और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर के नेतृत्व में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अहमदाबाद 2030 की अपनी यात्रा शुरू की। इस कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम' से हुई, जिसके बाद डांस परफॉर्मेंस और संगीत के जरिए 'वसुधैव कुटुंबकम' की थीम पर देश की सांस्कृतिक विविधता को दिखाया गया।

समारोह में भारत की सांस्कृतिक विविधता को दिखाया

अब निजी क्षेत्र के कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त कर्मचारी पेंशन बढ़ोतरी की मांग पर जोर देने के लिए पांच अगस्त को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। ईपीएस, 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने कहा कि सरकार ने बार-बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की पेंशन बढ़ोतरी के बारे में कोई घोषणा नहीं की है। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कोलकाता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया था कि एक माह में अगर सरकार द्वारा पेंशन बढ़ोतरी की घोषणा तत्काल नहीं की जाती है तो पांच अगस्त को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

पेंशन बढ़ोतरी की मांग को लेकर सड़क पर उतरेंगे

परेशानी — *नए ऑर्डरों में कमी का दिख रहा असर*

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सुस्त पड़ी

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। नए ऑर्डरों में कमी से जुलाई में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में सुस्ती देखी गई और एचएसबीसी इंडिया खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून के 54.2 प्रतिशत से घटकर 53.5 प्रतिशत रह गया जो करीब पांच साल का निचला स्तर है। विनिर्माण गतिविधियों में जुलाई में वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन इसकी रफ्तार अगस्त 2021 के बाद के निचले स्तर पर आ गई है।

सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विनिर्माण गतिविधियों में वृद्धि को दिखाता है जबकि 50 से कम रहना गिरावट दिखाता है। वहीं, 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है। एचएसबीसी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि जुलाई में नए ऑर्डरों की वृद्धि की रफ्तार चार साल के दूसरे सबसे कम स्तर पर रही। घरेलू मांग की रफ्तार जहां कम हुई है, वहीं वैश्विक मांग की रफ्तार बढ़ी है। कई कंपनियों ने कनाडा, मिस्र, इंडोनेशिया, केनिया, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, थाइलैंड और यूएई से मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की बात कही है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि कंपनियों के आपूर्ति समय में सुधार हुआ है, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ने के बाद अब इस बात को लेकर संशय पैदा हो गया है कि यह सुधार कितना स्थायी है। इसी चिंता में विनिर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार माल का भी अतिरिक्त भंडारण शुरू कर दिया है।

पांच साल के निचले स्तर पर पहुंची

ग्राहकों पर कीमत का बोझ डाल रही कंपनियां

उन्होंने कहा कि विदेशों से मांग जून की तुलना में मजबूत हुई है। लागत की मुद्रास्फीति कम हुई जबकि तैयार माल की मुद्रास्फीति में तेजी रही। इससे स्पष्ट है कि कंपनियां अपने मुनाफा कमाने की क्षमता को बनाए रखने के लिए ग्राहकों पर कीमत का बोझ डाल रही हैं। एसएसबीसी माह-दर-माह उत्पादन के आंकड़े जारी करता है। पीएमआई 50 से जितना अधिक ऊपर होता है वह विनिर्माण गतिविधियों में मासिक आधार पर उतनी ही अधिक तेजी दिखाता है।

संक्षिप्त समाचार

ओखला-निजामुद्दीन के बीच रेलवे ट्रैक पर मिले बुलंदशहर के युवक-युवती के शव

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। राजधानी में ओखला और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर रविवार रात एक युवक और युवती के शव मिले। रेलवे पुलिस की शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। दोनों की पहचान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के रहने वाले युवक-युवती के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। मामले में बीएनएसएस की धारा 194(1) के तहत कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली रेलवे पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त की रात करीब 8:47 बजे पुलिस थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन को रेलवे मेमो के जरिए ओखला और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलने पर डीडी नंबर-49 दर्ज की गई और जांच की जिम्मेदारी एएसआई योगेंद्र कुमार को सौंपी गई। एएसआई योगेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो रेलवे ट्रैक पर एक युवक और एक युवती के शव पड़े मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला पुलिसकर्मी को भी मौके पर बुलाया गया। साथ ही क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान युवक की जेब से आधार कार्ड बरामद हुआ, जिसके आधार पर उसकी पहचान सागर (23) के रूप में हुई। इसके बाद युवती की पहचान शिवानी (20) के रूप में की गई। रेलवे पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस उपायुक्त रेलवे भरत रेड्डी ने बताया कि मामले में बीएनएसएस की धारा 194(1) के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शुरूआती जांच में मामला प्रेमी युगल द्वारा ट्रेन के आगे आकर जान देने का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

केजरीवाल का प्रधानमंत्री आवास पर जाने की घोषणा आराजकता फैलाना : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी (आपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की कल प्रधानमंत्री आवास पर जाने की घोषणा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काम है विक्टिम कार्ड खेलना। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि अरविंद केजरीवाल की कल 100 लोगों के साथ प्रधान मंत्री आवास जाने की घोषणा उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच चल रही कौन आराजक का भाग है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि जब से राहुल गांधी ने प्रधान मंत्री आवास पर प्रदर्शन करा है तब से अरविंद केजरीवाल खुद को आराजकता के खेल में पिछड़ा पा रहे थे और इसी की पूर्ति के लिए केजरीवाल ने एथनॉल मुद्दे पर बिना अनुमत प्रधानमंत्री आवास जाने की घोषणा की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले आराजकता फैलाना फिर विक्टिम कार्ड खेलना अरविंद केजरीवाल की पुरानी पहचान है, अब कल जब पुलिस उनको प्रधान मंत्री आवास में बिना अनुमति प्रवेश से रोकेगी तब केजरीवाल विक्टिम कार्ड खेल कर कहेंगे की सरकार ने हमसे बातचीत करने से भी इंकार कर दिया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि एथनॉल बलेंडिड पैट्रोल मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस दोनों के नाटक की पोल खुल चुकी है एथनॉल प्रयोग एक वक्त की जरूरत है ताकि जहां एक ओर वायु प्रदूषण घटे तो वहीं इससे किसानों की आय बढ़ेगी और साथ में देश को विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी। उन्होंने अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों से कहा है कि वह 11 अगस्त 2005 को संसद में कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री मणी शंकर अय्यर का ब्यान सुनें जिसमें उन्होंने साफ कहा था की एथनॉल पैट्रोल में मिलाना देश हित में है और हम यह करके दिखाएंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बेहतर होगा की अरविंद केजरीवाल एवं कांग्रेस नेता एथनॉल बलेंडिड पैट्रोल पर आम नागरिकों को गुमराह करना बंद करें और देश के सामने 100 ऐसी गाड़ी पेश करें जिनके पास किसी ओटोमोबाइल इंजीनियर का सर्टिफिकेट हो की यह गाड़ी एथनॉल के कारण खराब हुई है।

महापौर कार्यालय को आठवीं बार बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के महापौर कार्यालय को सोमवार प्रातः एक बार फिर बम विस्फोट की धमकी प्राप्त हुई। यह आठवीं बार है जब महापौर कार्यालय को इस प्रकार बम से उड़ाने की धमकी प्राप्त हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर कार्यालय द्वारा तत्काल सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय करते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। महापौर कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार आज प्रात 9 बजे एक अज्ञात स्रोत से ई-मेल के माध्यम से यह धमकी प्राप्त हुई, जिसमें दोपहर 2:11 बजे बम विस्फोट करने की बात कही गई थी। धमकी मिलते ही बिना किसी विलंब के संबंधित सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया, ताकि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। सूचना प्राप्त होने के उपरांत दिल्ली पुलिस एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने महापौर कार्यालय परिसर की सघन एवं विस्तृत तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान कार्यालय के प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया। महापौर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है जब इस प्रकार की धमकी प्राप्त हुई हो। इससे पूर्व भी सात बार महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं।

लगातार प्राप्त हो रही ऐसी धमकियों को अत्यंत गंभीर विषय मानते हुए महापौर कार्यालय द्वारा पूर्व में दिल्ली पुलिस आयुक्त को एक औपचारिक पत्र भी प्रेषित किया गया था, जिसमें इन घटनाओं की विस्तृत जांच कर दोषियों की पहचान करने तथा उनके विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया था। महापौर कार्यालय ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों एवं संवैधानिक पदों से जुड़े कार्यालयों को बार-बार इस प्रकार की धमकियां मिलना चिंता का विषय है। ऐसे मामलों में दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई किया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की शरारतपूर्ण एवं भय उत्पन्न करने वाली घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

एनार्कुलम में संपन्न हुई अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक, प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्र आंदोलनों को समर्थन

नई दिल्ली, 3 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक 1 एवं 2 अगस्त को केरल के एनार्कुलम में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर व्यापक चर्चा की गई। अभाविप ने झारखंड, बिहार, कर्नाटक और पंजाब में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों में विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक आंदोलनों का समर्थन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग दोहराई।

बैठक के बाद राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को पारदर्शी, विश्वसनीय और त्रुटिरहित परीक्षा व्यवस्था मिलना उसका अधिकार है। इसी उद्देश्य से अभाविप नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं के बाद गठित उच्चस्तरीय समिति को परीक्षा प्रणाली में सुधार संबंधी विस्तृत सुझाव और अनुशंसाएं सौंपेगी।

अभाविप ने समाज के विभिन्न संगठनों और नागरिकों से भी विद्यार्थियों के इस आंदोलन में सहभागिता का आह्वान किया। संगठन ने कहा कि वह विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

बैठक में आगामी राष्ट्रीय अभियानों की रूपरेखा भी तय की गई। संगठन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में वंदे मातरम्@150 वर्ष : कैंपस टू कैंपस वंदे मातरम् तथा स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान चलाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक गाँव-एक तिरंगा, तिरंगा रैलियां और सामूहिक वंदे मातरम्-गायन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभाविप ने संसद द्वारा राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 के माध्यम से वंदे मातरम् के सम्मान को विधिक संरक्षण दिए जाने का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की विरासत और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

बैठक में संत शिरोमणि रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष, गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष, आपातकाल विरोधी आंदोलन के 50 वर्ष, अखिल भारतीय छात्रावास सर्वेक्षण, 72वें राष्ट्रीय अधिवेशन, सील@60, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी संपर्क, संगठन विस्तार और कार्यशाला संस्कृति जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई।

डॉ. सोलंकी ने कहा कि चूंकि केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक इस बार केरल में आयोजित हुई, इसलिए राज्य में संगठनात्मक विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि केरल के शैक्षणिक परिसरों में कैंपस टू कैंपस वंदे मातरम् और स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान व्यापक स्तर पर चलाकर विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक परिसर संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्धारित कार्ययोजना के माध्यम से अभाविप छात्रशक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में संगठित करने के अपने संकल्प को और मजबूत करेगी।

दिल्ली के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को मकोका केस में उच्च न्यायालय से नहीं मिली राहत, जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को मकोका केस में दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिल पाई। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने 27 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इस केस में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 5 मई 2025 को दिल्ली पुलिस की बाल्यान समेत पांच आरोपितों के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस ने उच्च न्यायालय में जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि बाल्यान के खिलाफ मकोका का केस बनता है।

दिल्ली पुलिस कहा था कि 2019 की एफआईआर में आपराधिक सांठगांठ का खुलासा 2024 में हो गया।

सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अमित प्रसाद पेश हुए। प्रसाद ने मकोका के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा था कि अगर कोई व्यक्ति किसी भी तरह से अपराध में मदद करता है तो वो मकोका के दायरे में आता है।

अमित प्रसाद ने कहा था कि चार्जशीट में गिरोह का जिक्र किया गया है। इसमें केवल एक व्यक्ति की भूमिका की बात नहीं है। 2019 में दर्ज एफआईआर में जो व्यक्ति चश्मदीद गवाह था उसकी 2024 में हत्या कर दी गई। इससे आरोपी के सांठगांठ का पता चलता है।

जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान बाल्यान की ओर से पेश वकील विवेक जैन ने कहा था कि उनके मुवक्किल के खिलाफ मकोका का आरोप नहीं बनता है, क्योंकि इसके लिए निरंतर अपराध होना जरूरी है, जबकि एफआईआर में कोई नया अपराध या कोई नई गतिविधि दर्ज नहीं की गई है।

महत्वपूर्ण है कि दिल्ली पुलिस ने वसूली के मामले में नरेश बाल्यान को 30 नवंबर 2024 की रात गिरफ्तार किया था। चार दिसंबर को इस केस में बाल्यान को जमानत मिल गई। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूर्व विधायक को मकोका के केस में गिरफ्तार किया।

दिल्ली के हर वार्ड में आवारा कुत्तों को वैक्सीन लगाएं, बधियाकरण करें : हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के आदेशों के मद्देनजर स्कूल-कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को निर्देश दिया है कि वो दिल्ली के हर वार्ड में आवारा कुत्तों को वैक्सीन लगायें और बधियाकरण करें। न्यायमूर्तिदिनेश मेहता की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ किया कि वो नहीं चाहते हैं कि किसी कुत्ते को मारा जाए। न्यायालय ने कहा कि एमसीडी और एनडीएमसी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एक-एक वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए

कैंप लगाएं। कैंप लगाने के पहले इलाके में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए कि किसी भी आवारा कुत्ते को पकड़ा नहीं जाएगा और उन्हें कैंप में केवल वैक्सीन लगाने और बधियाकरण के लिए लाया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि छोटे-छोटे इलाकों में जाकर ये काम किया जाए। कनाट प्लेस, इंडिया गेट जैसी जगहों पर जहां दफ्तरों की संख्या ज्यादा है वहां के आवारा कुत्तों का बधियाकरण हो। सुनवाई के दौरान एक न्यायमूर्ति ने कहा कि उनकी मां को कुत्तों ने तीन बार काटा। ये सभी के लिए खतरनाक हैं। कुत्ते काटते हैं। भगवान न करे कि किसी को काटे। इस समस्या का समाधान जरुरी है। 23 जुलाई को उच्च न्यायालय ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था। न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, एमसीडी और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को नोटिस जारी किया था। उच्च न्यायालय ने नोटिस जारी कर पूछा था कि आवारा कुत्तों के प्रबंधन के लिए उनके बर्थ कंट्रोल और वैक्सीन लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए। आवारा कुत्तों पर उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि दिल्ली में आवारा कुत्तों को शेल्टर होम से तभी छोड़ा जाएगा जब उन्हें टीका लग जाए और बधियाकरण हो जाए। न्यायाधीश विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि शेल्टर होम से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर लगी रोक को इस बदलाव के साथ हटाया जा रहा है।

आरएमएल अस्पताल में अत्याधुनिक एचआईएफईएम थेरेपी सिस्टम की शुरूआत, मरीजों को मिलेगा बेहतर इलाज

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग में अत्याधुनिक हाई-इंटेंसिटी फोकस्ड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (एचआईएफईएम) थेरेपी सिस्टम की शुरूआत की गई। इस नई तकनीक से मांसपेशियों को मजबूत बनाने, उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने और मरीजों के जल्दी स्वस्थ होने में मदद मिलेगी।

इस प्रणाली का सोमवार को उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. अखिलंदेश्वरी प्रसाद ने चिकित्सा अधीक्षक ने किया। इस मौके पर डॉ. विवेक देवान, प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु महापात्रा, फिजियोथेरेपी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सेठी, विभाग के शिक्षकों, फिजियोथेरेपिस्टों और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में एचआईएफईएम थेरेपी सिस्टम का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिसमें मांसपेशियों को मजबूत बनाने, न्यूरोमस्कुलर सक्रियण और पुनर्वास में इसके उपयोग को दिखाया गया।

एचआईएफईएम तकनीक बिना किसी ऑपरेशन या दर्द के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ऊर्जा की मदद से शरीर की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करती है। इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर का संतुलन बेहतर होता है और मरीज की सामान्य गतिविधियां करने की क्षमता में सुधार आता है। यह पारंपरिक फिजियोथेरेपी का प्रभावी सहयोगी उपचार है।

यह तकनीक स्ट्रोक, लंबे समय से कमर दर्द, हड्डी या जोड़ की सर्जरी के बाद पुनर्वास, खेल के दौरान लगी चोट, घुटने की समस्याओं, बढ़ती उम्र में मांसपेशियों की कमजोरी और पेल्विक फ्लोर से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी। इस अवसर पर निदेशक डॉ. अखिलंदेश्वरी प्रसाद ने कहा, एचआईएफईएम थेरेपी सिस्टम की शुरूआत हमारे संस्थान की आधुनिक और वैज्ञानिक आधार पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इससे मरीजों को और बेहतर उपचार मिलेगा।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विवेक देवान और प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु महापात्रा ने कहा कि इस नई तकनीक के शामिल होने से फिजियोथेरेपी सेवाओं की गुणवत्ता और बेहतर होगी तथा मरीजों के उपचार के परिणाम भी अधिक प्रभावी होंगे। फिजियोथेरेपी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सेठी ने कहा कि एचआईएफईएम सिस्टम विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे गहरी मांसपेशियों को प्रभावी ढंग से सक्रिय किया जा सकेगा, मरीज जल्दी स्वस्थ होंगे, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियां आसान होंगी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

फिजियोथेरेपी विभाग प्रतिदिन बड़ी संख्या में बाह्य और भर्ती मरीजों को उपचार उपलब्ध कराता है। विभाग आधुनिक तकनीकों, व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रमों, मैनुअल थेरेपी और उन्नत इलेक्ट्रोथेरेपी के माध्यम से लगातार अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। इस थेरेपी सिस्टम के जुड़ने से मरीजों को और अधिक आधुनिक तथा बेहतर उपचार की सुविधा मिलेगी।

पत्नी की हत्या करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। हॉलीवुड की क्राइम फिल्म 'द स्टेयरकेस' देखकर हत्या के बाद बच निकलने का तरीका सीखने वाले एक इंजीनियर ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। शाहदरा जिले की जगतपुरी थाना पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपित पति कमल सिंह (53) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हत्या के बाद 12.75 लाख नकद लेकर नेपाल भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर उसे मथुरा रेलवे स्टेशन के पास दबोच लिया। संयुक्त पुलिस आयुक्त अजीत कुमार सिंगला और पुलिस उपायुक्त आर.पी. मीणा के मार्गदर्शन में एसीपी महेंद्र सिंह की निगरानी में इंस्पेक्टर अभिषेक, इंस्पेक्टर आशीष और जांच अधिकारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र शर्मा समेत करीब 10 पुलिस टीमों ने इस हत्याकांड का पदार्फाश किया।

पुलिस के मुताबिक, 30 जुलाई को गगन विहार निवासी गौरव ने पीसीआर पर सूचना दी कि उसके पिता ने उसकी मां कोमल सिंह (50) की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला का शव ड्रॉइंग रूम में खून से लथपथ पड़ा था। सेंटर टेबल पर खून से सनी एक कैंची मिली, जिसे हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार माना गया। जांच में सामने आया कि वारदात के समय दोनों बच्चे घर से निकल चुके थे और फ्लैट में केवल पति-पत्नी मौजूद थे।

सीसीटीवी फुटेज में महिला की चीख सुनाई देने के बाद आरोपित को हथियार बैग में छिपाकर घर से बाहर निकलते देखा गया। पुलिस ने वैज्ञानिक जांच और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की गतिविधियों को ट्रैक किया। पूछताछ में कमल सिंह ने बताया कि वह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियर है और फ्रीलांस एसएपी सॉफ्टवेयर कंसल्टेंट के रूप में काम करता है। लंबे समय से संपत्ति को लेकर पत्नी से विवाद चल रहा था। उसने पहले से हत्या की योजना बनाई, हरि नगर से कैंची खरीदी और मौका मिलते ही पत्नी की हत्या कर दी।

पप्पू यादव के आवास पर हंगामे में दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुए हंगामे के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। पुलिस का कहना है कि घटना के दौरान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की गई और उन्हें सरकारी काम करने से रोकने की कोशिश की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला रविवार को उस समय सामने आया, जब दो युवक पप्पू यादव के आवास में प्रवेश कर गए और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा शुरू हो गया। आरोप है कि एक युवक ने पप्पू यादव की ओर चप्पल फेंकी, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों और दोनों युवकों के बीच हाथापाई हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221 (लोक सेवक को सरकारी कार्य करने से रोकना), धारा 121(1) (सरकारी कार्य से रोकने के उद्देश्य से लोक सेवक को चोट पहुंचाना), धारा 132 (लोक सेवक पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 3(5) (समान आशय) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सुमित को हिरासत में लिया है। घटना के वक्त उसके नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि घटना के दौरान पुलिसकर्मियों को उनके कर्तव्य के निर्वहन से रोका गया और उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। जांच के तहत पुलिस आवास और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

महापौर कार्यालय को आठवीं बार बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के महापौर कार्यालय को सोमवार प्रातः एक बार फिर बम विस्फोट की धमकी प्राप्त हुई। यह आठवीं बार है जब महापौर कार्यालय को इस प्रकार बम से उड़ाने की धमकी प्राप्त हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर कार्यालय द्वारा तत्काल सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय करते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। महापौर कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार आज प्रात 9 बजे एक अज्ञात स्रोत से ई-मेल के माध्यम से यह धमकी प्राप्त हुई, जिसमें दोपहर 2:11 बजे बम विस्फोट करने की बात कही गई थी। धमकी मिलते ही बिना किसी विलंब के संबंधित सुरक्षा एजेंसियों एवं दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया, ताकि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। सूचना प्राप्त होने के उपरांत दिल्ली पुलिस एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने महापौर कार्यालय परिसर की सघन एवं विस्तृत तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान कार्यालय के प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र, प्रवेश एवं निकास द्वार तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया। महापौर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि यह पहली बार नहीं है जब इस प्रकार की धमकी प्राप्त हुई हो।

भविष्यफल

मेष - किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष -अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन - परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह - लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

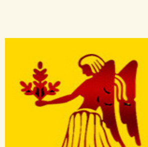

कन्या - स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला - प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक - स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंताए संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

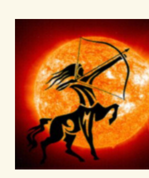

धनु - शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

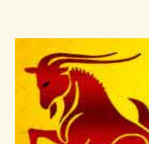

मकर - लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

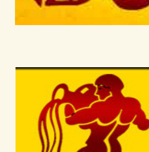

कुंभ - माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

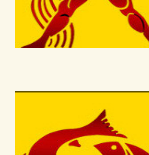

मीन - प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

मिस्र के तट पर आया 5.4 तीव्रता का भूकंप

घरों से निकले लोग, इजराइल तक लगे झटके

● काहिरा / (एजेंसी)

मिस्र के तट के पास सोमवार तड़के 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किमी की गहराई में था।

मिस्र के नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड जियोफिजिक्स ने इसकी तीव्रता 5.6 दर्ज की और बताया कि इसका केंद्र स्वेज शहर से करीब 38 किमी उत्तर में था। अलग-अलग एजेंसियों द्वारा तीव्रता में मामूली अंतर अलग मापन प्रणालियों की वजह से होता है। भूकंप के झटके काहिरा और उत्तरी मिस्र के कई इलाकों में महसूस किए गए। एहतियात के तौर पर कई लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। दक्षिणी इजराइल में भी कंपन महसूस होने की खबर है।

वहीं इटली में नेपल्स के पास भूकंप के जोरदार झटके, 26 घायल: इटली के नेपल्स के पास ज्वालामुखी क्षेत्र कैम्पी फ्लेग्रेई में शुक्रवार को 4.7 तीव्रता भूकंप आया। भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ, चट्टानें गिरीं और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों के अनुसार 26 लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति बोलीं, समुद्र प्रदक्षिणा अभियान की सफलता युवा महिलाओं को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देगी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवा को कहा कि समुद्र प्रदक्षिणा अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी की सर्व-महिला टीम की उपलब्धि देश के युवाओं, विशेषकर महिलाओं को बड़े सपने देखने और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेगी।

राष्ट्रपति ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय सेना के नौकायन पोत त्रिवेणी की सर्व-महिला दल से मुलाकात की। यह दल ‘समुद्र प्रदक्षिणा’ त्रि-सेवा वैश्विक नौकायन अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद राष्ट्रपति से मिला। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की नौ महिला अधिकारियों ने 314 दिनों में 25 हजार से अधिक समुद्री मील की यात्रा पूरी की।

314 दिनों में 25,500 समुद्री मील की यात्रा पूरी

समुद्र प्रदक्षिणा भारत का पहला त्रि-सेवा सर्व-महिला वैश्विक समुद्री परिक्रमा अभियान है। इसका उद्देश्य नारी शक्ति, तीनों सेनाओं के संयुक्त संचालन और भारत की समुद्री क्षमता का प्रदर्शन करना था। अभियान 11 सितंबर 2025 को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से शुरू हुआ। सेना के स्वदेश निर्मित सेलिंग पोत आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार दल ने 314 दिनों में 25,500 समुद्री मील की यात्रा पूरी कर 22 जुलाई को मुंबई वापसी की। अभियान में दल ने चार महासागरों की यात्रा की, भूमध्य रेखा को दो बार पार किया तथा तीन प्रमुख अंतरीप–केप लीउविन (ऑस्ट्रेलिया), केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर वैश्विक समुद्री परिक्रमा के सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंड पूरे किए।

अवैध प्रवासियों से लड़ाई में बरतेंगे सख्ती : बर्नहम

● लंदन / (एजेंसी)

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा कि सरकार नाव से देश में अवैध रूप से आने वाले प्रवासियों की संख्या कम करने की कोशिशों में सख्ती बरतेगी। टाइम्स अख़बार के अनुसार, 20 जुलाई को बर्नहम के पद संभालने के बाद से 2,000 से ज्यादा प्रवासी नाव से देश में आ चुके हैं।

देश में आने वाले अवैध प्रवासियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम पूरी सख्ती बरतेंगे। लोग चाहते हैं कि इस मुद्दे का समाधान हो। साथ ही, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार को सुरक्षित रास्ते भी बनाने चाहिए।

बर्नहम ने कहा कि लंदन की योजना इंग्लिश चैनल के ब्रिटिश हिस्से में कानून लागू करने वाले अधिकारियों की संख्या दोगुनी करने की है।

2025 में, 41 हजार से ज़्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल पार करके नाव से अवैध रूप से ब्रिटेन पहुंचे, यह संख्या 2022 के रिकॉर्ड-तोड़ आंकड़ों के बाद दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।

▶ ईरान–यूएस वैश्विक समुद्री व्यापार के प्रमुख मार्ग हॉर्मुज स्ट्रेट को लेकर बढ़ा तनाव

ईरान ने किया बड़ा दावा: हॉर्मुज के पास अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सोमवार को कहा कि उसने एक नयी विकसित वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग कर हॉर्मुज के ऊपर एक यूएस एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। आईआरजीसी ने टेलीग्राम चैनल पर जारी बयान में कहा है कि हॉर्मुज के ऊपर आईआरजीसी के नये उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम के एक एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को रोककर मार गिराया गया। आईआरजीसी से जुड़ी तसनीम समाचार एजेंसी ने भी सूचना दी कि गार्ड्स के एयरोस्पेस बलों ने इस रणनीतिक जलमार्ग में ड्रोन की मौजूदगी का पता लगाने के बाद उसे निशाना बनाया। यह दावा ईरान-अमेरिका के बीच वैश्विक समुद्री व्यापार के प्रमुख मार्ग हॉर्मुज को लेकर बढ़े तनाव के बीच आया है। ईरानी अफसरों ने कहा कि वे फिलहाल अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं कर रहे हैं, बल्कि ओमान के साथ होर्मुज के जरिये समुद्री आवाजाही के लिए एक अस्थायी सुरक्षित गलियारा स्थापित करने की संभावना पर चर्चा कर रहे हैं।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान नेविगेशन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित प्रवेश और निकास लेन वाले एक अस्थायी मार्ग की व्यवस्था पर ओमान के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सोमवार को ईरान के साथ बातचीत फिर से शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि हॉर्मुज फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते तक पहुंचने पर प्रगति हो सकती है। हाल के हफ्तों में अमेरिका-ईरान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, जहां दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम व्यवस्था के उल्लंघन का आरोप लगाया है और आगे की सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है।

ट्रम्प ने की ईरान के साथ बातचीत की घोषणा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान सोमवार को वार्ता करेंगे। ट्रम्प ने एयर फ़ोर्स वन में कहा कि हम उनसे चर्चा कर रहे हैं। यह दोपहर शुरू होगी। यूएस राष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि ईरान के परमाणु हथियार खत्म करने पर कोई समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एक समझौता होगा। होर्मुज पर एक समझौता होगा, और फिर परमाणु मुद्दे पर, या जिसे आप ईरान का परमाणु-मुक्त होना कह सकते हैं, उस पर डील होगी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर सप्ताहांत में होने वाले हमले को रद्द कर दिया था – कुछ हद तक तेहरान के अनुरोध पर – लेकिन वह किसी भी समय बमबारी फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि मुझसे सऊदी अरब, यूएई, कतर और ईरान ने (ईरान पर हमले रद्द करने के लिए) कहा था। ईरान ने भी हमसे बहुत ज़ोर देकर कहा था। ट्रम्प ने कुवैत और बहरीन से अमेरिकी सेना को हटाने की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ट्रम्प ने एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मीडिया में पहले खबर आई थी कि अमेरिका मध्य पूर्व के कई देशों (जिनमें कुवैत और बहरीन शामिल हैं) में मौजूद अपने ठिकानों से कुछ सैनिकों को हटा रहा है, जिन पर ईरान ने हमला किया था।

जंग के बीच भारत ने ईरान में अपना राजदूत बदला

तेहरान, यूएस-ईरान के बीच जारी तनाव, होर्मुज पर संकट और पश्चिम एशिया में बदलते हालात के बीच भारत ने तेहरान में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है।

भारतीय विदेश सेवा के सीनियर अफसर विश्वेश नेगी अब ईरान में भारत की नई जिम्मेदारी संभालेंगे। वह मौजूदा राजदूत रुद्र गौरव श्रेष्ठ की जगह लेंगे, जिन्हें तुर्किये भेजा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विश्वेश नेगी जल्द ही अपना कार्यभार संभालेंगे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी हैं। पिछले दो दशकों में उन्होंने विदेश नीति, रक्षा सहयोग, यूएन और भारत के कई अहम रणनीतिक मामलों पर काम किया है। फिलहाल वह विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं। इससे पहले वह ओशिनिया डिवीजन की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जहां उन्होंने भारत और पापुआ न्यू गिनी जैसे देशों के साथ उच्चस्तरीय कूटनीतिक वार्ता का नेतृत्व किया।

नेगी को दी जिम्मेदारी

भारत का खौफ, टेंशन में लश्कर का टॉप कमांडर

बोला–रॉ एजेंटों ने 30 से ज्यादा भाइयों को मारा

● मुजफ्फराबाद / (एजेंसी)

पाक में अज्ञात बंदूकधारियों के हमलों में कई शीर्ष आतंकियों के मारे जाने से लश्क-ए-तैयबा खौफ में है। उसके एक टॉप कमांडर रिजवान हनीफ ने सरेआम कबूला है कि पिछले 3-4 साल में 30 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। इससे पाक में छिपे आतंकियों में अज्ञात हमलावरों को लेकर खौफ के रूप में देखा जा रहा है। इन आतंकियों का आरोप है कि अज्ञात हमलावर भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एजेंट हैं।

रिजवान हनीफ एक अज्ञात आतंकी के मारे जाने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदुस्तान की खुफिया एजेंसी ने उसको यहां आजाद कश्मीर (पीओके) के अंदर अमन और चैन से नहीं रहने दिया। अपने जरखरीद एजेंटों (पैसों से खरीदे गए एजेंट) के जरिए उसे यहां शहीद किया गया। यह पहला वाक्या नहीं है। पिछले तीन-चार साल के अंदर 30 से ज्यादा वाकयात हो चुके हैं, जब हमारे भाइयों (आतंकियों) को शहीद किया गया। किसी को पेशावर में, किसी को कराची में, किसी को पिंडी में, किसी को रावलकोट में। पाक में रह रहे आतंकियों पर अज्ञात बंदूकधारियों के हमले जारी हैं। ये बंदूकधारी छिपे हुए आतंकियों समेत ऐसे लोगों को निशाना बना रहे हैं, जो भारत में मोस्ट वांटेड हैं या फिर किसी न किसी आतंकी घटनाओं में शामिल रहे हैं। इसमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मह से लेकर बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादी तक शामिल हैं।

कौन–कौन से आतंकी मारे जा चुके

पाक में अज्ञात बंदूकधारियों के हमलों में मारे गए आतंकियों में हमजा बुरहान (मई 2026), सैफुल्लाह खालिद (मई 2025), अबू कताल (मार्च 2024), अमीर हमजा (दिसंबर 2023), शाहिद लतीफ (2023), परमजीत सिंह पंजवड़ (मई 2023), बशीर अहमद पीर ऊर्फ इम्तियाज आलम (फरवरी 2023), एजाज अहमद अहंगर (फरवरी 2023), जहूर मिस्री ऊर्फ जमशेद भट (मार्च 2022) और खालिद बशीर (नवंबर 2023) प्रमुख हैं।

5 साल बाद पहली बार दिखीं सू ची

● नेपीडॉ / (एजेंसी)

म्यांमार की पूर्व नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची करीब पांच साल बाद पहली बार नजर आई हैं।

सैन्य सरकार ने सोमवार को आंग सान सू ची की कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें वह इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस के म्यांमार प्रतिनिधि अर्नो डे बैक से मुलाकात करती दिखाई दे रही हैं। 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से यह उनका बाहरी दुनिया के साथ सबसे दुर्लभ सार्वजनिक संपर्क माना जा रहा है। सरकार ने बताया कि यह मुलाकात सोमवार सुबह हुई, लेकिन यह नहीं बताया कि बैठक कहां हुई और किन मुद्दों पर चर्चा हुई।

रेड क्रॉस प्रतिनिधि से मुलाकात की

सलेम में साबूदाना फैक्ट्री में आग और गैस लीक

● चेन्नई / (एजेंसी)

तमिलनाडु के सलेम जिले के अत्तूर में रविवार शाम एक साबूदाना फैक्ट्री में आग और गैस लीक होने के बाद 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग लगने की वजह बिजली का शॉर्ट-सर्किट बताई जा रही है।

अस्पताल में 11 लोग भर्ती

आग यूनिट में रखे बोरों में लगी, जिससे क्लोरीन पाउडर वाले बोरे भी प्रभावित हुए। पाउडर का उपयोग साबूदाना को साफ करने के लिए किया जाता है और इसी वजह से गैस लीक हुई। सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दो घंटे के ऑपरेशन के बाद आग पर काबू पाया।

शुरुआत में कर्मियों ने पानी से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन केमिकल के रिएक्शन से गैस लीक हुई और साथ ही घना धुआं भी निकला। प्रभावित कर्मियों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की और उन्हें इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया गया। घटना की वजह का पता लगाने व यूनिट में सुरक्षा संबंधी चूक का आकलन करने जांच जारी है।

इजराइल के रक्षा मंत्री और सेना आमने–सामने

सेंट्रल कमांड प्रमुख के हटते ही सेना का आदेश मानने से इंकार

● तेल अवीव / (हि.स.)।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ और देश की सेना के बीच बड़ा विवाद सामने आया है और सेना ने उनके आदेश को मानने से इंकार कर दिया है।

काट्ज़ ने टीवी इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने सेना की सेंट्रल कमांड के प्रमुख मेजर जनरल अवी ब्लुथ को उनके पद से हटाने का फैसला किया है, लेकिन इस घोषणा के तुरंत बाद सेना ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक बयान जारी कर दिया कि मेजर जनरल ब्लुथ अपने पद पर बने रहेंगे।

काट्ज़ ने ब्लुथ पर एक हिंसक यहूदी सेटलर के मामले में सरकार की नीतियों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सैन्य निदेशालय के प्रमुख मेजर जनरल दाडो बार खलीफा को ब्लुथ की जगह नया सेंट्रल कमांड प्रमुख बनाने का फैसला किया है।

श्रावण माह के पहले सोमवार को वाराणसी में गंगा नदी के घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर ड्रोन से खींचा गया एरियल फोटो।

आज का इतिहास

- **1790:** अमेरिका में एक नव पारित टैरिफ अधिनियम ने अमेरिकी कटर कानून सेवा की स्थापना की जो एक सशस्त्र समुद्री कानून प्रवर्तन सेवा है।
- **1791:** सिस्टोवा की संधि पर हस्ताक्षर किए गए, ओटोमन-हैब्सबर्ग युद्ध समाप्त हो गया।
- **1796:** फ्रेंच क्रांतिकारी युद्ध – लोनाना की लड़ाई: नेपोलियन के तहत इटली की फ्रांसीसी सेना एक ऑस्ट्रियाई ब्रिगेड को कुचल दिया।
- **1796:** फ्रांसीसी क्रांतिकारी युद्ध–इटली की फ्रांसीसी सेना ने नेपोलियन ने लोनाटो की लड़ाई में एक ऑस्ट्रियाई ब्रिगेड को कुचल दिया।
- **1862:** अमेरिकी सरकार ने अपना पहला आय कर एकत्र करने का आदेश दिया।

एनाकुलम में संपन्न हुई अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति बैठक, प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्र आंदोलनों को समर्थन

नई दिल्ली, 3 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक 1 एवं 2 अगस्त को केरल के एनाकुलम में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर व्यापक चर्चा की गई। अभाविप ने झारखंड, बिहार, कर्नाटक और पंजाब में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों में विद्यार्थियों के लोकतांत्रिक आंदोलनों का समर्थन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग दोहराई।

बैठक के बाद राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को पारदर्शी, विश्वसनीय और त्रुटिरहित परीक्षा व्यवस्था मिलना उसका अधिकार है। इसी उद्देश्य से अभाविप नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं के बाद गठित उच्चस्तरीय समिति को परीक्षा प्रणाली में सुधार संबंधी विस्तृत सुझाव और अनुशंसाएं सौंपेगी।

अभाविप ने समाज के विभिन्न संगठनों और नागरिकों से भी विद्यार्थियों के इस आंदोलन में सहभागिता का आह्वान किया। संगठन ने कहा कि वह विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकारों और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

बैठक में आगामी राष्ट्रीय अभियानों की रूपरेखा भी तय की गई। संगठन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में वंदे मातरम्@150 वर्ष: कैंपस टू कैंपस वंदे मातरम तथा स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान चलाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक गाँव-एक तिरंगा, तिरंगा रैलियां और सामूहिक वंदे मातरम्-गायन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभाविप ने संसद द्वारा राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 के माध्यम से वंदे मातरम् के सम्मान को विधिक संरक्षण दिए जाने का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की विरासत और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

बैठक में संत शिरोमणि रविदास जी के 650वें प्राकट्य वर्ष, गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष, आपातकाल विरोधी आंदोलन के 50 वर्ष, अखिल भारतीय छात्रावास सर्वेक्षण, 72वें राष्ट्रीय अधिवेशन, सील@60, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी संपर्क, संगठन विस्तार और कार्यशाला संस्कृति जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई।

डॉ. सोलंकी ने कहा कि चूंकि केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक इस बार केरल में आयोजित हुई, इसलिए राज्य में संगठनात्मक विस्तार पर विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि केरल के शैक्षणिक परिसरों में कैंपस टू कैंपस वंदे मातरम् और स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान व्यापक स्तर पर चलाकर विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक परिसर संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्धारित कार्ययोजना के माध्यम से अभाविप छात्रशक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में संगठित करने के अपने संकल्प को और मजबूत करेगी।

पीओके में नवाज की पार्टी ने बड़ी जीत हासिल की

● लाहौर / (हि.स.)।

पीओके में हुए चुनावों के दूसरे चरण में पीएमएल (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीतीं, जिससे उसे इस इलाके में सरकार बनाने का मौका मिलेगा।

सरकार बनाने का जल्द मिलेगा मौका

पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को कहा कि पीपीपी ने बाकी चार सीटें जीतीं। पीओके में जारी चुनावों का दूसरा चरण रविवार को हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच हुआ। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुगल ने बताया कि जिन तीन और सीटों पर रविवार को मतदान होना था, वहां अब मंगलवार को मत डाले जाएंगे। उन्होंने बताया कि भूस्खलन और खराब मौसम की वजह से सड़कें बंद हो गईं, जिससे मतदान कर्मी और चुनाव सामग्री चुनाव क्षेत्र तक नहीं पहुंच पायी पीओके की तथाकथित विधानसभा की 45 सीटों के लिए चुनाव 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच तीन चरणों में हो रहे हैं।

भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा केंद्र-शासित क्षेत्र उसके अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं। नयी दिल्ली का यह भी कहना है कि पाकिस्तान ने इन केंद्र-शासित क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर च्गैर-कानूनी और जबरन कब्जा कर रखा है।

संपादकीय

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा। वहीं इस जीत से प्रशांत किशोर के हौसले बुलंद हैं। वह देश के कई दिग्गज राजनेताओं के चुनाव अभियानों के सारथी रह चुके हैं। वे जनता के मिजाज को भांपने का हुनर भी जानते हैं। अब अपनी जीत से उत्साहित प्रशांत किशोर राज्य सरकार के खिलाफ अपना रुख और सख्त करेंगे। वे आने वाले समय में बिहार में जन सुराज पार्टी को तीसरे मोर्चे के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के बीच असहज होता गठबंधन, पहले ही प्रशांत किशोर के लिये अनुकूल स्थितियां बना रहा है। राजनीतिक पंडित इन उप-चुनावों के परिणामों की अलग-अलग तरह से व्याख्या कर रहे हैं। दरअसल, बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव, नीट पेपर लीक और दूसरे मुद्दों को लेकर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जेन-जी के विरोध प्रदर्शनों के बाद पहली चुनावी लड़ाई थी। जंतर-मंतर पर हुए ऐतिहासिक आंदोलन के बाद सत्ताधारी पार्टी फिर से बढ़त बनाने की कवायद में जुटी है। वहीं दूसरी ओर राम मंदिर में दान की चोरी की घटना ने भी पार्टी की मुश्किलें बढ़ाई हैं। जिसको लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। दरअसल, यह एक ऐसा भावनात्मक मुद्दा है जो उसके परंपरागत वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है। अब जब कि उत्तर प्रदेश में अहम विधानसभा चुनावों में करीब छह महीने ही बाकी हैं, पार्टी को अपनी खोई रफ्तार हासिल करने के लिये केंद्र और राज्य स्तर पर साफ-सुथरे शासन को प्राथमिकता देनी होगी।

अनुच्छेद 370 से 5 अगस्त 2019 तक : जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक यात्रा, राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब

कैलाश चन्द्र

स्वतंत्रता के साथ ही भारत के अनेक जटिल प्रश्न राष्ट्र के समक्ष उपस्थित हुए। इनमें सबसे संवेदनशील और दीर्घकालिक प्रश्न जम्मू-कश्मीर का था। यह केवल किसी राज्य के भारत में विलय का विषय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संघीय व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और संवैधानिक विकास की ऐसी गाथा थी, जिसने स्वतंत्र भारत की राजनीति और संविधान को सात दशकों तक प्रभावित किया। 5झ6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निष्प्रभावी करने तथा अनुच्छेद 35ए के अप्रभावी होने के साथ इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हुआ और एक नया अध्याय प्रारम्भ हुआ।

इस विषय को समझने के लिए केवल 2019 को देखना ही पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे 1947 से प्रारम्भ हुई घटनाओं, संविधान सभा की बहसों, राष्ट्रपति के आदेशों, संसद की भूमिका, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों और जम्मू-कश्मीर की आंतरिक राजनीति का क्रमिक अध्ययन और समझ भी आवश्यक है।

स्वतंत्रता, विभाजन और जम्मू-कश्मीर का विलय

15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। ब्रिटिश भारत के साथ-साथ 565 से अधिक देशी रियासतों को भारत अथवा पाकिस्तान में विलय अथवा अन्य संवैधानिक व्यवस्था का विकल्प मिला। जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने तत्काल किसी भी देश में विलय का निर्णय नहीं लिया।

22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान समर्थित कबायली आक्रमण ने परिस्थितियों को बदल दिया। श्रीनगर पर संकट गहराने लगा। ऐसे समय महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को संधि पत्र पर हस्ताक्षर कर भारत में विलय स्वीकार किया। भारत सरकार ने 27 अक्टूबर को इसे स्वीकार किया और भारतीय सेना ने सैन्य अभियान प्रारम्भ किया। यह विलय अन्य अनेक रियासतों की तरह वैधानिक था, किन्तु तत्कालीन युद्ध, संयुक्त राष्ट्र में विवाद और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों के कारण जम्मू-कश्मीर का संवैधानिक एकीकरण क्रमिक रूप से विकसित हुआ।

अनुच्छेद 370 की संवैधानिक पृष्ठभूमि

भारतीय संविधान सभा में जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष व्यवस्था का प्रारूप तत्कालीन मंत्री एन. गोपालस्वामी आयंगार ने प्रस्तुत किया। प्रारम्भ में इसे अनुच्छेद 306 ए कहा गया, जो बाद में अनुच्छेद 370 बना। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ अनुच्छेद 370 प्रभावी हुआ। संविधान में इसे स्पष्ट रूप से अस्थायी प्रावधान के रूप में रखा गया। इसका उद्देश्य यह था कि जब तक जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा राज्य के भारत के साथ संवैधानिक संबंधों पर अंतिम निर्णय न कर दे, तब तक विशेष व्यवस्था बनी रहे। इस व्यवस्था के अंतर्गत रक्षा, विदेश, संचार और विलय-पत्र में उल्लिखित विषयों पर संसद की शक्ति तत्काल लागू थी, जबकि अन्य विषय राष्ट्रपति आदेशों और राज्य सरकार की सहमति से क्रमशः लागू किए जा सकते थे।

दिल्ली समझौता और अनुच्छेद 35ए का उद्भव

1952 का दिल्ली समझौता भारत सरकार और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के बीच हुआ। इसके आधार पर 14 मई 1954 को राष्ट्रपति ने संविधान (जम्मू-कश्मीर पर लागू) आदेश, 1954 जारी किया। इसी आदेश द्वारा संविधान में अनुच्छेद 35ए जोड़ा गया। यह संविधान संशोधन द्वारा नहीं, बल्कि अनुच्छेद 370(1) के अंतर्गत राष्ट्रपति आदेश से जोड़ा गया।

अनुच्छेद 35ए ने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा को स्थायी निवासी की परिभाषा निर्धारित करने तथा उन्हें विशेष अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया। इन अधिकारों में भूमि खरीद, सरकारी नौकरियाँ, छात्रवृत्तियाँ तथा अन्य राज्य-विशिष्ट सुविधाएँ सम्मिलित थीं।

समर्थकों का मत था कि इससे राज्य की जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक विशिष्टता संरक्षित हुई। आलोचकों का तर्क था कि इससे समान नागरिकता की अवधारणा प्रभावित हुई तथा महिलाओं, अनुसूचित जातियों और कुछ अन्य समूहों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

जम्मू-कश्मीर का पृथक संविधान

1951 में राज्य की संविधान सभा गठित हुई और 26 जनवरी 1957 को जम्मू-कश्मीर का पृथक संविधान लागू हुआ। इस संविधान ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग घोषित किया, साथ ही राज्य की अपनी शासन व्यवस्था भी स्थापित की। यह व्यवस्था भारतीय संघवाद में एक विशिष्ट उदाहरण थी, क्योंकि किसी अन्य राज्य का पृथक संविधान नहीं था।

राष्ट्रपति आदेशों द्वारा क्रमिक संवैधानिक एकीकरण

अक्सर यह माना जाता है कि अनुच्छेद 370 के कारण भारतीय संविधान जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं था। वस्तुतः 1950 से 2019 के बीच राष्ट्रपति के अनेक आदेशों द्वारा भारतीय संविधान के अधिकांश प्रावधान क्रमशः जम्मू-कश्मीर पर लागू किए गए। इन्हीं आदेशों के माध्यम से भारतीय नागरिकता, सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र, चुनाव आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, अखिल भारतीय सेवाएँ, आपातकाल संबंधी अनेक प्रावधान तथा अनेक संवैधानिक संशोधन राज्य पर लागू हुए।

समय के साथ यह स्थिति बन गई कि भारतीय संविधान का अधिकांश भाग जम्मू-कश्मीर पर पहले से लागू था। इसलिए कुछ विद्वान 2019 को पूर्ण संवैधानिक एकीकरण की अंतिम कड़ी मानते हैं, जबकि अन्य इसे संघीय व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

राजनीतिक घटनाक्रम और संघीय विमर्श

1953 में शेख अब्दुल्ला को पद से हटाया गया। 1965 में राज्य के प्रधानमंत्री का पद मुख्यमंत्री तथा सदर-ए-रियासत का पद राज्यपाल में परिवर्तित किया गया।

1975 के इंदिरा गांधी-शेख अब्दुल्ला समझौते ने राजनीतिक स्थिरता लाने का प्रयास किया। किन्तु 1987 के चुनावों के बाद असंतोष बढ़ा और 1989झ90 में आतंकवाद तथा उग्रवाद का दौर प्रारम्भ हुआ। इसके परिणामस्वरूप व्यापक हिंसा हुई और कश्मीरी पंडितों का बड़े पैमाने पर पलायन हुआ। इन घटनाओं ने अनुच्छेद 370 पर राष्ट्रीय विमर्श को और अधिक तीव्र किया। एक पक्ष का मत था कि विशेष व्यवस्था ने अलगाववाद को बढ़ावा दिया, जबकि दूसरा पक्ष मानता था कि समस्या का कारण राजनीतिक विफलताएँ, आतंकवाद और बाहरी हस्तक्षेप थे।

संसद और सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका

अनुच्छेद 370 से जुड़े अनेक प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचे। प्रेम नाथ कौल (1959) में न्यायालय ने संविधान सभा की भूमिका पर विचार किया। संपत प्रकाश (1968) में न्यायालय ने माना कि अनुच्छेद 370 तब तक प्रभावी रहेगा जब तक उसे संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार बदला न जाए।

मोहम्मद मकबूल दमनू (1972) में राष्ट्रपति की शक्तियों और राज्य की संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों पर निर्णय दिया गया। 2019 के बाद दायर याचिकाओं पर संविधान पीठ ने 2023 में निर्णय देते हुए 5-6 अगस्त 2019 की संवैधानिक प्रक्रिया को वैध माना तथा कहा कि राष्ट्रपति और संसद द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया संविधान के अनुरूप थी।

5-6 अगस्त 2019 : संवैधानिक परिवर्तन

5 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति आदेश सी.ओ. 272 जारी हुआ। इसके माध्यम से अनुच्छेद 367 की व्याख्या में परिवर्तन कर भारतीय संविधान के सभी प्रावधान जम्मू-कश्मीर पर लागू करने का मार्ग प्रशस्त किया गया। उसी दिन संसद में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया तथा जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक लाया गया। 6 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति आदेश सी.ओ 273 जारी हुआ, जिसके परिणामस्वरूप अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान निष्प्रभावी हो गए। 9 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली और 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख दो पृथक केंद्रशासित प्रदेश अस्तित्व में आए।

समर्थक और आलोचक : दो दृष्टिकोण

समर्थकों का मत है कि 2019 का निर्णय भारतीय संविधान के समक्ष सभी राज्यों की समान स्थिति स्थापित करने, राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने, निवेश, विकास, महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों को समान रूप से लागू करने तथा अलगाववादी राजनीति की संवैधानिक आधारभूमि समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।

दूसरी ओर आलोचकों का तर्क है कि राज्य का पुनर्गठन और विशेष प्रावधानों का निष्प्रभावी होना संघवाद, राज्यों की स्वायत्तता तथा संवैधानिक परंपराओं के दृष्टिकोण से गंभीर प्रश्न उठाता है। उनके अनुसार इस प्रकार के परिवर्तन के लिए निर्वाचित राज्य सरकार की अनुपस्थिति और राष्ट्रपति शासन की स्थिति में अपनाई गई प्रक्रिया पर संवैधानिक बहस होना स्वाभाविक है। हालांकि स्थाई प्रारम्भिक सत्य और तथ्य यही है कि पहले भी यह केवल राष्ट्रपति कि अनुशंसा पर ही लागू था। इन दोनों दृष्टिकोणों को समझना आवश्यक है, क्योंकि लोकतांत्रिक विमर्श में जन भावनाओं का विशेष महत्व है। केवल निष्कर्षों से नहीं, बल्कि जन का मत, तर्कों और संवैधानिक बहस से ये समृद्ध होता है।

भारतीय संघवाद और राष्ट्रीय एकीकरण

अनुच्छेद 370 का इतिहास भारतीय संघवाद की लचीली प्रकृति का उदाहरण है। स्वतंत्रता के समय भारत ने विभिन्न ऐतिहासिक परिस्थितियों के अनुसार अनेक संवैधानिक व्यवस्थाएँ अपनाईं। समय के साथ उनमें परिवर्तन भी हुए।

2019 के निर्णय ने यह प्रश्न पुनः सामने रखा कि संघवाद का स्वरूप कितना लचीला होना चाहिए, राष्ट्रीय एकीकरण और क्षेत्रीय स्वायत्तता के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए, और संवैधानिक प्रक्रियाओं का उपयोग किन परिस्थितियों में किस प्रकार किया जा सकता है।

निष्कर्ष : इतिहास से भविष्य की ओर

अनुच्छेद 370 और 35ए की यात्रा केवल दो संवैधानिक प्रावधानों की कहानी नहीं है। यह स्वतंत्र भारत की संवैधानिक परिपक्वता, राजनीतिक निर्णयों, सुरक्षा चुनौतियों, न्यायिक समीक्षा और संघीय प्रयोगों की सात दशक लंबी यात्रा है।

5झ6 अगस्त 2019 ने इस यात्रा को नया मोड़ दिया है, किन्तु वास्तविक सफलता केवल संवैधानिक परिवर्तन से नहीं मापी जाएगी। इसका मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, नागरिक अधिकारों की समान सुरक्षा तथा सभी समुदायों का विश्वास किस सीमा तक स्थापित होता है।

इतिहास यह बताता है कि संविधान केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, वह राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब भी होता है। जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक यात्रा इसी सत्य का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जहाँ कानून, राजनीति, लोकतंत्र, सुरक्षा और राष्ट्रीय एकीकरण सात दशकों तक एक-दूसरे से जुड़े रहे और आज भी भारतीय लोकतंत्र के विमर्श का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं। (लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं)

बचपन की कोई कीमत नहीं होती, न्याय केवल मुआवजा नहीं, जीवन का सहारा भी होना चाहिए

डॉ. निवेदिता शर्मा

मां... मैं फिर कब दौड़ पाऊंगी? यह प्रश्न किसी पांच वर्ष की बच्ची का है, जिसने शायद अभी जीवन का अर्थ भी ठीक से नहीं समझा था। उसे यह नहीं पता कि रीढ़ की हड्डी में लगी चोट क्या होती है, स्थायी लकवा क्या होता है और व्हीलचेयर पर बीतने वाला जीवन कितना लंबा और कठिन होता है। उसे तो बस इतना मालूम है कि पहले वह अपने दोस्तों के साथ खेलती थी, आंगन में तितलियों के पीछे दौड़ती थी, मां की उंगली छोड़कर स्कूल की ओर भागती थी, वैसा ही उसका जीवन फिर से हो जाए, क्योंकि पैर उसकी सुनते ही नहीं, वह उठना चाहती है, दौड़ना चाहती है।

अब उसके बचपन का बड़ा हिस्सा अस्पतालों, दवाइयों, फिजियोथेरेपी, डायपर, कैथेटर और दूसरों की मदद पर निर्भर हो गया है। शायद इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसा निर्णय दिया है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि जब किसी बच्चे का पूरा भविष्य सड़क दुर्घटना में छिन जाए, तब उसकी विकलांगता का आकलन उसके पूरे जीवन पर पड़े प्रभाव से किया जाएगा।

23 जून 2018 को एक पांच वर्षीय बच्ची अपनी मां और दादी के साथ यात्रा कर रही थी। तेज गति से चल रही कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे ने उस बच्ची की रीढ़ की हड्डी को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया और वह स्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गई। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने उसे लगभग 14.84 लाख रुपये का मुआवजा दिया, जिसे बाद में उच्च न्यायालय ने कुछ बढ़ाकर लगभग 20 लाख रुपये के आसपास पहुंचाया, परन्तु प्रश्न यह था कि क्या इतनी राशि उस बच्ची के जीवनभर की चिकित्सा, देखभाल, शिक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन के अधिकार की भरपाई कर पाएगी?

इसी गहरे प्रश्न का उत्तर सर्वोच्च न्यायालय ने मानवीय दृष्टि से दिया है। न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मुआवजे को बढ़ाकर 87.15 लाख रुपये कर दिया और कहा कि क्षतिपूर्ति की गणना के लिए बच्ची की कार्यात्मक विकलांगता 100 प्रतिशत मानी जाएगी।

यह निर्णय इसलिए विशेष है क्योंकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बच्चों के के लिए शरीर के किसी अंग की चिकित्सकीय क्षति को देखना पर्याप्त नहीं है।

यदि कोई बच्चा जीवनभर चलने-फिरने, स्वयं बैठने, दैनिक कार्य करने और अपने भविष्य का निर्माण करने की क्षमता खो देता है, तो व्यवहारिक रूप से उसके लिए आय प्राप्त करने की संभावना, स्वतंत्र जीवन और सामान्य बचपन समाप्त हो जाता है, इसलिए ऐसी स्थिति में कार्यात्मक विकलांगता को 100 प्रतिशत मानना ही न्यायोचित होगा। इस तरह से सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में उस पूरे जीवन को देखा जो अब दुर्घटना के कारण पूरी तरह बदल चुका है। अदालत ने माना कि बच्ची को जीवनभर प्रशिक्षित परिचारक की आवश्यकता होगी। नियमित फिजियोथेरेपी जारी रहेगी। मूत्र असंयम के कारण डायपर और कैथेटर जैसे चिकित्सा उपकरणों पर हर महीने खर्च होगा। उसके माता-पिता पर आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का स्थायी बोझ रहेगा। न्यायालय ने भविष्य की कमाई की क्षमता को भी ध्यान में रखा और कहा कि बच्चों की काल्पनिक आय का निर्धारण मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता।

एक तरह से जिस राज्य में दुर्घटना हुई, वहां 2018 में कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन को आधार मानते हुए भविष्य की संभावनाओं के साथ आय का आकलन किया गया। यह सिद्धांत इस बात का प्रतीक है कि कानून अब बच्चों के संभावित भविष्य को भी मूल्यवान मानता है। यहां बताएं कि न्यायालय का यह फैसला कोई अकेला निर्णय नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों से जुड़े मोटर दुर्घटना मामलों में लगातार ऐसी संवेदनशील न्यायिक सोच विकसित की है, जिसने क्षतिपूर्ति के पारंपरिक दृष्टिकोण को नई दिशा दी है।

बेबी साक्षी ग्रेओला बनाम मंजूर अहमद सिमोन के मामले में न्यायालय ने यह सिद्धांत स्थापित किया कि नाबालिग बच्चों की काल्पनिक आय का आधार संबंधित राज्य के कुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन होना चाहिए। मई 2026 में 14 वर्षीय पूर्णतः विकलांग बालक के मामले में अदालत ने मुआवजा बढ़ाकर 56.83 लाख रुपये करते हुए कहा कि दुर्घटना के कारण समाप्त हुआ पूरा भविष्य भी न्याय का विषय है।

सात वर्षीय सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चे के मामले में न्यायालय ने कहा कि सिर्फ शारीरिक विकलांगता का प्रतिशत नहीं, बल्कि बचपन का आनंद, शिक्षा, युवावस्था, सामाजिक जीवन और विवाह जैसी संभावनाओं के नष्ट होने को भी क्षतिपूर्ति में शामिल किया जाना चाहिए। कजोल बनाम महाराष्ट्र राज्य जैसे ऐतिहासिक मामले में तो सर्वोच्च न्यायालय ने अत्यंत मार्मिक शब्दों में कहा था कि ऐसी बच्ची अपने मित्रों के साथ खेल नहीं सकेगी, जीवन की सामान्य खुशियों का अनुभव नहीं कर सकेगी और यह क्षति किसी साधारण गणना से नहीं आंकी जा सकती। इन निर्णयों ने बीमा कंपनियों के लिए भी स्पष्ट संदेश दिया है कि गंभीर रूप से घायल बच्चों के मामलों में औपचारिक मुआवजा देना पर्याप्त नहीं होगा। क्योंकि क्षतिपूर्ति का उद्देश्य पीड़ित बच्चे के पूरे जीवन को यथासंभव सम्मानजनक बनाना है। हर दुर्घटना किसी परिवार के सपनों को तोड़ती है। एक क्षण की लापरवाही किसी बच्चे का पूरा जीवन बदल देती है, इसलिए सड़क सुरक्षा यातायात नियमों का विषय तो है ही, साथ में बाल अधिकारों का भी विषय है। वाहनों की तेज गति, लापरवाह ड्राइविंग, सीट बेल्ट और बाल सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी, ओवरलोडिंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन अंततः सबसे बड़ी कीमत उन मासूमों से वसूलता है, जिनका इन गलतियों से कोई संबंध नहीं होता।

बच्चों का अधिकार उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ, सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन का अधिकार देता है, जबकि राज्य के नीति-निर्देशक तत्व बच्चों के संरक्षण और उनके समुचित विकास पर विशेष बल देते हैं।

ऐसे में जब कोई सड़क दुर्घटना किसी बच्चे के पूरे भविष्य को अंधकार में धकेल देती है, तब न्यायालय का दायित्व हो जाता है कि उस संवैधानिक गरिमा की रक्षा करना जिसके कि ये बच्चे भी सच्चे अधिकारी हैं।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी संवेदनशील संवैधानिक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यहां न्याय यह सुनिश्चित करता है कि दुर्घटना के बाद उसका शेष जीवन अभाव, असहायता और उपेक्षा में न बीते। (लेखिका, मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं।)

देश में आरक्षण की दशा और दिशा

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

देश में आरक्षण का प्रश्न केवल राजनीति का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और राष्ट्रीय विकास से जुड़ा विषय है। आजादी के लगभग 80 वर्ष बाद भी आरक्षण पर बहस उतनी ही तीखी है जितनी संविधान लागू होने के समय थी। एक पक्ष इसे ऐतिहासिक अन्याय के प्रतिकार का आवश्यक साधन मानता है, जबकि दूसरा पक्ष यह मानता है कि वर्तमान व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार डॉ. भीमराव राव आंबेडकर ने आरक्षण को सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को अवसर प्रदान करने का एक संवैधानिक साधन माना था। संविधान सभा की चचाओं में उन्होंने यह कहा था कि उद्देश्य समान अवसर उपलब्ध कराना है, ना कि समाज को स्थायी रूप से विभाजित करना।

संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए विधानसभा और लोकसभा में राजनीतिक आरक्षण प्रारंभ में 10 वर्ष के लिए रखा गया था, जिसे बाद में संसद ने समय-समय पर संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से बढ़ाया। वहीं, शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लिए संविधान ने कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की। डॉ. आंबेडकर जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता को भारतीय समाज की गंभीर समस्या मानते थे। 1932 के पूना समझौते के बाद पृथक निर्वाचक मंडल के स्थान पर आरक्षित सीटों की व्यवस्था बनी। यह समझौता डॉ. आंबेडकर और महात्मा गांधी के बीच हुआ था, इसलिए यह कहना कि वे केवल किसी एक पक्ष के दबाव में आरक्षण के पक्षधर हुए, इतिहास का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। स्वतंत्रता के बाद विभिन्न सरकारों, विशेषकर कांग्रेस के लंबे शासनकाल में, आरक्षण व्यवस्था को बनाये रखा गया और समय-समय पर उसका विस्तार भी हुआ। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का निर्णय जनता दल सरकार ने लिया, जबकि बाद की विभिन्न सरकारों ने भी आरक्षण संबंधी प्रावधानों को जारी रखा। हाल के वर्षों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई डब्ल्यू एस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण भी लागू किया गया, जो आर्थिक आधार पर आरक्षण का एक नया उदाहरण है, जो केन्द्र सरकार की एक उपलब्धि है। आरक्षण व्यवस्था की सबसे बड़ी आलोचना यह है कि इसका लाभ कई बार एक ही परिवार या अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग तक सीमित रह जाता है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के भीतर भी ऐसे परिवार हैं जिन्हें बार-बार आरक्षण का लाभ मिलता है, जबकि उसी समुदाय के अत्यंत गरीब और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी अवसरों से वंचित हैं। यही कारण है कि आरक्षण की समीक्षा, लाभार्थियों की पहचान और वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाने की मांग समय-समय पर उठती रही है। दूसरी ओर, आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि सामाजिक भेदभाव केवल आर्थिक स्थिति से समाप्त नहीं हो जाता। उनका कहना है कि आज भी अनेक क्षेत्रों में जाति आधारित भेदभाव मौजूद है, इसलिए केवल आर्थिक आधार पर्याप्त नहीं होगा।

उच्चतम न्यायालय ने भी कई मामलों में माना है कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन आरक्षण का महत्वपूर्ण आधार है। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि लंबे समय तक आरक्षण जारी रहने से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं में अवसरों की कमी की भावना उत्पन्न हुई है, इसी बहस के बीच आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आरक्षण को लागू किया गया, जिससे आर्थिक आधार को भी नीति का हिस्सा बनाया गया। आज सत्ता और विपक्ष की अधिकांश राजनीतिक पार्टियां आरक्षण समाप्त करने की बात नहीं करतीं।

इसका एक कारण यह है कि आरक्षण करोड़ों लोगों के अधिकार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा विषय बन चुका है। दूसरा कारण यह है कि भारतीय लोकतंत्र में विभिन्न सामाजिक वर्ग महत्वपूर्ण मतदाता हैं और कोई भी दल इस विषय पर अत्यधिक जोखिम नहीं लेना चाहता। साथ ही, कई दलों का मानना है कि जब तक सामाजिक असमानताएं पूरी तरह समाप्त नहीं होतीं, तब तक आरक्षण की आवश्यकता बनी रहेगी। भविष्य की दृष्टि से अनेक नीति विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि आरक्षण व्यवस्था की समय-समय पर निष्पक्ष समीक्षा हो, वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचे, गुणवत्तापूर्ण विद्यालयी शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश हो तथा जिन वर्गों में अपेक्षाकृत संपन्न तबका लगातार लाभ ले रहा है, वहां सुधार के विकल्पों पर विचार किया जाए। इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर दोनों उद्देश्यों के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकता है।

अंततः यह प्रश्न केवल जातिगत आरक्षण बनाम आर्थिक आरक्षण का नहीं है। भारत जैसे विविध समाज में नीति-निर्माण का लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जिसमें सामाजिक भेदभाव से प्रभावित लोगों को न्याय भी मिले और आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर भी। आरक्षण पर बहस तथ्यों, संविधान और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल भावनाओं या राजनीतिक नारों के आधार पर।

ज्ञान, कौशल, चरित्र का स्वदेशी मॉडल और 2047 का भारत

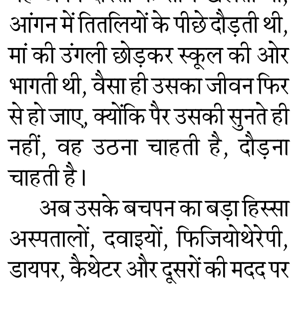

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भगवन मनुष्य के लिए कौन-सूमार्ग श्रेष्ठ है? बालक नचिकेता ने यमराज से प्रश्न किया। उत्तर मिला- श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः...

कठोपनिषद का यह संदेश बताता है कि मनुष्य के सामने सदैव दो मार्ग रहते हैं, श्रेय और प्रेय। श्रेय दीर्घकालिक कल्याण का मार्ग है, जबकि प्रेय तात्कालिक सुख-सुविधा का आकर्षण। विवेकशील व्यक्ति श्रेय का चयन करता है। आज इक्कीसवीं सदी का भारत भी इसी निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। प्रश्न यह नहीं कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा या नहीं, बल्कि यह है कि उस विकास की चेतना क्या होगी? क्या विकास का आधार आर्थिक उपलब्धियाँ होंगी, अथवा ज्ञान, नैतिकता, संस्कृति, विज्ञान और मानवीय मूल्यों का संतुलित समन्वय?

इसी संदर्भ में अभी हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), मुंबई में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत हेतु शिक्षा विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है, ज्ञान, कौशल और चरित्र तीनों का समन्वय ही शिक्षा है। विकसित भारत की कल्पना में हमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, सभी के विकास के लिए विद्यार्थी तैयार करना है। यह भारतीय शिक्षा-दर्शन को वर्तमान समय के अनुरूप पुनर्स्थापित करने का आह्वान है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी ज्ञान-परंपरा

विश्व के अनेक देशों ने औद्योगिक क्रांति, तकनीकी नवाचार या प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर विकास किया। भारत की विशिष्टता उसकी ज्ञान-परंपरा रही है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र होने के साथ सभ्यता निर्माण के भी केंद्र थे। भारतीय शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति और समाज, दोनों का निर्माण रहा है। तैत्तिरीय उपनिषद का सत्यं वद, धर्मं चर तथा स्वामी विवेकानंद का चरित्र निर्माण करने वाली शिक्षा का विचार इसी परंपरा का विस्तार है। दत्तात्रेय होसबाले भी शिक्षा को राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला मानते हैं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कम्प्यूटिंग, जैव-प्रौद्योगिकी और स्वचालन का युग है। ऐसे समय में कौशल अनिवार्य है। फिर भी कौशल तभी सार्थक है जब उसे ज्ञान दिशा दे और चरित्र उद्देश्य प्रदान करे। इतिहास बताता है कि विज्ञान ने परमाणु ऊर्जा जैसी उपयोगी शक्ति भी दी और परमाणु बम जैसा विनाशकारी अस्त्र भी। अंतर उद्देश्य और चरित्र का था। विकसित भारत का अर्थ ऐसे नागरिक तैयार करना है जो दक्ष होने के साथ उत्तरदायी और संवेदनशील भी हों।

चार पुरुषार्थ और भारतीय शिक्षा-दृष्टि दत्तात्रेय होसबाले ने शिक्षा को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष से जोड़कर भारतीय चिंतन की समग्रता को सामने रखा है। धर्म का अर्थ कर्तव्य और नैतिकता है, अर्थ आर्थिक समृद्धि का आधार, काम सृजनात्मक आकांक्षाओं का प्रतीक तथा मोक्ष आत्मबोध और आंतरिक स्वतंत्रता का स्वरूप। यदि शिक्षा आर्थिक सफलता तक सीमित रह जाए और नैतिक चेतना कमजोर हो जाए तो सामाजिक संतुलन भी प्रभावित होता है। भारतीय शिक्षा-दर्शन जीवन के प्रत्येक आयाम में संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

राधाकृष्णन आयोग का उल्लेख करते हुए दत्तात्रेय होसबाले कहते हैं, हम एक फैक्ट्री नहीं बना रहे हैं, हम एक सभ्यता बना रहे हैं। यही शिक्षा का वास्तविक स्वरूप है। फैक्ट्री वस्तुओं का उत्पादन करती है, शिक्षा व्यक्तित्व का निर्माण करती है। आज शिक्षा की सफलता का मूल्यांकन प्रायः नौकरी, वेतन और परीक्षा परिणामों से किया जाता है। इनका महत्व है, फिर भी शिक्षा का व्यापक लक्ष्य दूरदर्शी, जिम्मेदार और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक तैयार करना है। किसी भी विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके ऐसे ही नागरिक होते हैं।

संवाद और जिज्ञासा की संस्कृति

होसबाले ने समाज में बढ़ती संवादहीनता पर भी चिंता व्यक्त की है। सूचना के इस युग में उत्तर सहज उपलब्ध हैं, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती दिखाई देती है। भारतीय ज्ञान-परंपरा का आधार संवाद रहा है। गार्गी और याज्ञवल्क्य का शास्त्रार्थ, उद्दालक और श्वेतकेतु का संवाद तथा नचिकेता और यमराज का प्रश्नोत्तर इस बात के प्रमाण हैं कि भारत ने शिक्षा को जिज्ञासा, तर्क और विचार-विमर्श का माध्यम माना। भविष्य की शिक्षा व्यवस्था में इसी संवाद संस्कृति का पुनर्जागरण आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की दिशा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान-परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल है। बहुविषयक शिक्षा, मातृभाषा में अध्ययन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और मूल्य-आधारित शिक्षण उसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा हैं। भारत यदि वैश्विक ज्ञान-अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करना चाहता है तो उसे तकनीक का उपयोग करने वाले समाज से आगे बढ़कर ज्ञान का सृजन करने वाला राष्ट्र बनना होगा। प्रयोगशालाओं के साथ जीवन-मूल्यों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। दत्तात्रेय होसबाले का यह कथन कि विकसित भारत-2047 एक पड़ाव है, यात्रा का अंत नहीं, भारतीय चिंतन की मूल भावना को व्यक्त करता है। महर्षि अरविन्द ने भारत के भविष्य को मानव चेतना के उच्चतर विकास से जोड़ा था, जबकि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने राष्ट्र की महानता का आधार उसके नागरिकों के चरित्र को माना। इसी दृष्टि से विकसित भारत का अर्थ पाँच या दस ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था भर नहीं है। वास्तविक विकास उस समाज की पहचान बनेगा जहाँ विज्ञान और संस्कृति साथ चलें, समृद्धि के साथ संवेदना बनी रहे तथा प्रगति का प्रत्येक आयाम नैतिक मूल्यों से जुड़ा हो। भारत को श्रेष्ठ इंजीनियर, चिकित्सक, वैज्ञानिक और उद्यमियों के साथ चरित्रवान नागरिकों की भी आवश्यकता है। शिक्षा तभी अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगी जब वह मस्तिष्क को ज्ञान, हाथों को कौशल और अंतःकरण को चरित्र प्रदान करेगी। कठोपनिषद का श्रेय, स्वामी विवेकानंद की मैन-मेकिंग एजुकेशन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की समग्र दृष्टि और दत्तात्रेय होसबाले का ज्ञान, कौशल और चरित्र एक ही राष्ट्रीय धारा के विविध आयाम हैं। 2047 के विकसित भारत का वास्तविक सूत्र भी यही है।

EPS-95 पेंशनर्स का 5 अगस्त को जंतर-मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

देशभर के ईपीएस-95 पेंशनर्स अपनी वर्षों पुरानी लंबित मांगों को लेकर 5 अगस्त 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन की घोषणा एढर-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने की है। समिति का कहना है कि लंबे समय से सरकार से संवाद, ज्ञापन, शांतिपूर्ण आंदोलन और संसदीय स्तर पर मांग उठाने के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। समिति की प्रमुख मांगों में न्यूनतम ₹7,500 मासिक पेंशन, महंगाई भत्ते (डीए) का लाभ, पेंशनर दंपतियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के अनुरूप पात्र पेंशनर्स को उच्च पेंशन का लाभ प्रदान करना शामिल है।

दिल्ली प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने कहा कि देश के लगभग 81 लाख एढर-95 पेंशनर्स पिछले एक दशक से अपनी मांगों को पूरी तरह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से समय-समय पर सकारात्मक आश्वासन मिले, लेकिन आज तक इन मांगों पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया, जिससे पेंशनर्स में गहरी निराशा और असंतोष है। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2026 को कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि यदि एक माह के भीतर सरकार पेंशन वृद्धि पर घोषणा नहीं करती है, तो 5 अगस्त को जंतर-मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा। कमांडर राऊत ने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में एढर-95 पेंशनर्स को औसतन लगभग ₹1,171 प्रतिमाह पेंशन प्राप्त हो रही है। उनका कहना था कि आज के समय में यह राशि सम्मानजनक जीवनयापन के लिए पर्याप्त नहीं है। बढ़ती महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत तथा आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के बीच हजारों वरिष्ठ नागरिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ₹1,000 की न्यूनतम पेंशन, जिसे वर्षों पहले निर्धारित किया गया था, आज की परिस्थितियों में अत्यंत अपर्याप्त हो चुकी है। समिति का मानना है

कि दशकों तक निजी क्षेत्र में कार्य कर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। समिति के अनुसार, ₹7,500 न्यूनतम पेंशन की मांग किसी अतिरिक्त लाभ की नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन, बुनियादी आवश्यकताओं और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग है। समिति ने यह भी कहा कि पेंशन निर्धारित होने के बाद उसमें नियमित संशोधन या महंगाई के अनुरूप वृद्धि का कोई प्रभावी प्रावधान नहीं होने से पेंशन की वास्तविक क्रय-शक्ति लगातार घटती गई है। उनका कहना है कि यदि महंगाई भत्ते का लाभ उपलब्ध कराया जाए तो पेंशनर्स की आय समय के साथ बढ़ती लागत के अनुरूप बनी रह सकेगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा उठाते हुए कमांडर राऊत ने कहा कि बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक और उनके जीवनसाथी गंभीर बीमारियों तथा बढ़ते चिकित्सा खर्चों से जूझ रहे हैं। समिति का कहना है कि पेंशनर दंपतियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सर्वोच्च न्यायालय के 4 अक्टूबर 2016 तथा 4 नवंबर 2022 के निर्णयों के बावजूद बड़ी संख्या में पात्र पेंशनर्स अभी तक उच्च पेंशन के लाभ से वंचित हैं। समिति ने मांग की कि पात्र लाभार्थियों को न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप शीघ्र लाभ उपलब्ध कराया जाए। समिति के अनुसार, पिछले कई वर्षों में प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, श्रम एवं रोजगार मंत्री, विभिन्न सांसदों तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को अनेक ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, पेंशन वृद्धि के संभावित वित्तीय विकल्पों और संसाधनों को लेकर विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी सरकार के समक्ष रखा गया है। समिति का कहना है कि उसकी मांगें केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यवहारिक और वित्तीय दृष्टि से भी विचारणीय हैं। समिति ने यह भी उल्लेख किया कि कोश्यारी समिति तथा संसद की स्थायी समिति भी समय-समय पर एढर-95 पेंशन में सुधार और वृद्धि की आवश्यकता पर अपनी सिफारिशें दे चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाना पेंशनर्स के लिए चिंता का विषय है राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह करोड़ों वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों की आजीविका से जुड़े इस मुद्दे पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय ले। समिति ने कहा कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो कोलकाता में लिए गए निर्णय के अनुरूप देशभर में ईपीएफओ कार्यालयों पर तालाबंदी, जेल भरो आंदोलन, आमरण अनशन तथा अन्य चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन चलाए जाएंगे। समिति का कहना है कि यदि उनकी मांगें इसी तरह अनसुनी की जाती रहीं, तो आत्मदाह उनके लिए अंतिम विकल्प होगा। प्रेस वार्ता को समिति के राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र सिंह राजावत तथा राष्ट्रीय मुख्य समन्वयक रमाकांत नरगुंड ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव रमेश बहुगुणा, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजीव भटनागर, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बी. एस. नरखेडे, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष बी. एस. राणा, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा ताई आरस तथा राष्ट्रीय सचिव सरिता ताई नरखेडे सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज के लिए दिल्ली तैयार

राजधानी दिल्ली इस महीने के अंत में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांच की साक्षी बनने जा रही है। अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। इस बहुप्रतीक्षित सीरीज को लेकर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा है कि खिलाड़ियों और दर्शकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर स्तर पर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। अशोक शर्मा ने कहा कि भारत और अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीमों की मेजबानी करना डीडीसीए के लिए गर्व की बात है। टिकट व्यवस्था, सुरक्षा, दर्शकों की सुविधाओं और मैच संचालन से जुड़े सभी पहलुओं पर तेजी से काम चल रहा है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान ने पिछले कुछ वर्षों में टी20 क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है और भारत के साथ उसके मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर होते हैं। ऐसे में दिल्ली के क्रिकेट प्रेमियों को लगातार तीन शानदार मैच देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डीडीसीए की कार्यशैली में पेशेवर दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) है। उत्तर भारत की शुरूआती फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीगों में शामिल यह प्रतियोगिता अब अपने तीसरे संस्करण तक पहुंच चुकी है और युवा खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत मंच बन गई है।

शर्मा के अनुसार, डीपीएल ने दिल्ली के घरेलू क्रिकेट को नई दिशा दी है। इस लीग के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को लाइव प्रसारण के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, जिससे आईपीएल फ्रेंचाइज़ियों और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजर उन पर पड़ती है। पिछले कुछ वर्षों में कई खिलाड़ियों ने डीपीएल में शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़े स्तर पर अपनी जगह बनाई है। अरुण जेटली स्टेडियम की पिचों और सुविधाओं में हुए सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मैदान प्रबंधन और पिच तैयार करने की प्रक्रिया को पूरी तरह पेशेवर बनाया गया है। अनुभवी क्यूरेटर और ग्राउंड स्टाफ की लगातार मेहनत से स्टेडियम अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार होता है। दिल्ली प्रीमियर लीग के दौरान भी लगातार कई मुकाबले सफलतापूर्वक आयोजित किए गए और खेल की गुणवत्ता बरकरार रही। भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अशोक शर्मा ने कहा कि डीडीसीए का लक्ष्य केवल टूनार्मेंट आयोजित करना नहीं, बल्कि दिल्ली में क्रिकेट के समग्र विकास को गति देना है। क्रिकेट अधोसंरचना को और मजबूत करना, उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करना तथा युवा खिलाड़ियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराना संघ की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-अफगानिस्तान टी20 श्रृंखला और दिल्ली प्रीमियर लीग के सफल आयोजन से दिल्ली देश के प्रमुख क्रिकेट केंद्र के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत करेगी तथा आने वाले समय में यहां से अधिक से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

बिजी ने लॉन्च किया बिजी मैजिक

इंडियामार्ट की सहायक कंपनी और बिजी (इवर) अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर की डेवलपर बिजी इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने आज बिजी मैजिक लॉन्च किया। यह एआई आधारित बिजनेस मैनेजमेंट और अकाउंटिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अकाउंटिंग, बिलिंग, इन्वेंट्री, जीएसटी और बिजनेस रिपोर्टिंग को सरल बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है देशभर में छह लाख से अधिक कारोबारों के साथ काम करने के अनुभव के आधार पर तैयार किए गए बिजी मैजिक में आधुनिक यूजर इंटरफेस, तेज ऑनबोर्डिंग, एआई आधारित ऑटोमेशन और आसान वर्कफ्लो जैसी सुविधाएं दी गई हैं। यह पहली बार अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर अपनाने वाले कारोबारों के साथ-साथ तेजी से बढ़ रहे व्यवसायों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

यह प्लेटफॉर्म कारोबारियों को एक ही डैशबोर्ड पर बिक्री, खरीद, नकदी और बैंक की स्थिति, लेनदारों व देनदारों, स्टॉक की स्थिति, कम स्टॉक वाले उत्पादों, लंबित ऑर्डर, चालान, ई-वे बिल और ई-इनवॉइस जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां देखने की सुविधा देता है। इसे रिटेलर, डिस्ट्रीब्यूटर, थोक व्यापारी, निमार्ता, ट्रेडर और सेवा क्षेत्र से जुड़े छोटे एवं मध्यम कारोबारों के लिए विकसित किया गया है।

खास तौर पर यह उन व्यवसायों के लिए उपयोगी है, जो मैनुअल रिकॉर्ड, स्प्रेडशीट या अलग-अलग सिस्टम से डिजिटल और एकीकृत व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहते हैं।

बिजी इंफोटेक के सीईओ बृजेश अग्रवाल ने कहा कई छोटे कारोबारों के लिए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर अपनाना डिजिटल बदलाव की दिशा में पहला बड़ा कदम होता है।

बिजी मैजिक को इसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए विकसित किया गया है।

इसमें आसान वर्कफ्लो, उपयोगी डैशबोर्ड और ऐसी सुविधाएं हैं, जो कारोबारियों और उनके अकाउंटिंग सहयोगियों दोनों के लिए काम को सरल बनाती हैं।

हमारा उद्देश्य रोजमर्रा के वित्तीय प्रबंधन को कम जटिल और अधिक प्रभावी बनाना है, ताकि एमएसएमई अपने कारोबार पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए आत्मविश्वास के साथ फैसले ले सकें। बिजी मैजिक की प्रमुख विशेषताओं में एआई वाउचर स्कैन और ऑटोमैटिक बैंक रिकन्सिलिएशन शामिल हैं। इनकी मदद से स्कैन किए गए दस्तावेजों से वाउचर की जानकारी स्वतः दर्ज की जा सकती है, मैनुअल डेटा एंट्री कम होती है और बैंक स्टेटमेंट का मिलान अकाउंटिंग रिकॉर्ड से आसानी से किया जा सकता है। प्लेटफॉर्म तेज बिलिंग, बेहतर स्टॉक प्रबंधन, नकदी प्रवाह पर स्पष्ट नजर, जीएसटी और ई-इनवॉइस प्रक्रियाओं के लिए बेहतर तैयारी तथा कारोबारी, उनकी टीम, चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय में मदद करता है। इसके अलावा, स्मूद सिंक फीचर कारोबारियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट के बीच दोनों दिशाओं में तेज डेटा आदान-प्रदान की सुविधा देता है, जिससे अनुपालन (कंप्लायंस) और ऑडिट से जुड़ी प्रक्रियाएं अधिक तेज और आसान हो जाती हैं।

बिजी मैजिक की लॉन्चिंग ऐसे समय में हुई है, जब कंपनी देश के एमएसएमई क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार मजबूत कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 170 करोड़ रुपये का बिलिंग कारोबार और 44.5 करोड़ रुपये का एबिटा दर्ज किया।

इस दौरान कंपनी ने 4.42 लाख से अधिक सॉफ्टवेयर लाइसेंस बेचे, 354 कर्मचारियों की टीम बनाई और 1,000 से अधिक शहरों व कस्बों में 800 से अधिक चैनल पार्टनर्स का नेटवर्क तैयार किया।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर ब्रह्मचारी कुटी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ भव्य रुद्राभिषेक

गौतमबुद्ध नगर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रह्मचारी कुटी में भगवान शिव का भव्य रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन श्रद्धा और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया प्रातः 4:30 बजे आचार्य अमित दीक्षित के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक आरंभ हुआ।

इसके पश्चात भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश एवं कार्तिकेय सहित शिव परिवार की विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा आकर्षक श्रृंगार कर आरती उतारी गई।

रुद्राभिषेक के उपरांत वैदिक विधि से हवन-यज्ञ संपन्न हुआ और अंत में महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान शिव परम कल्याणकारी एवं करुणामय हैं। उनकी आराधना से दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों प्रकार के कष्टों का निवारण होता है।

उन्होंने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की उपासना का विशेष महत्व है तथा इस पवित्र माह में की गई भक्ति और रुद्राभिषेक से अनेक गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

उन्होंने बताया कि रुद्राभिषेक के माध्यम से विश्व शांति, समाज के सुख-समृद्धि तथा समस्त प्राणियों के कल्याण की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में विकास भारती, अशोक कुमार, ओम कुमार, अनमोल झा सहित अनेक श्रद्धालु एवं शिवभक्त उपस्थित रहे। पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★

CLUB NPC INDIA
NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION

क्लब NPC इंडिया

शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक

राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यों में समर्पित व्यक्तित्वों की
प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियाँ एवं विशेष समाचार

शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित

विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व

निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

भारत की सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक संपदा उसे वैश्विक पर्यटन का केंद्र बनाने की अपार क्षमता रखती है। पर्यटन मंत्रालय और इंडिगो के बीच हुआ समझौता इसी संभावना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह साझेदारी भारतीय पर्यटन स्थलों को विश्व मंच पर नई पहचान देने के साथ आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को भी मजबूती दे सकती है।

भारत के पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाएगी नई साझेदारी

भारत अपनी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के कारण विश्व के प्रमुख पर्यटन देशों में स्थान रखता है। फिर भी वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की वास्तविक क्षमता का पूर्ण उपयोग अभी तक नहीं हो पाया है। ऐसे में पर्यटन मंत्रालय और इंडिगो के बीच हुआ समझौता एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा घरेलू और विदेशी पर्यटकों को देश के विविध पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित करना है।

आज पर्यटन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी साधन बन चुका है। कई देशों ने पर्यटन को अपनी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बनाया है। भारत के पास हिमालय से समुद्र तटों तक, रेगिस्तान से वर्षावनों और प्राचीन मंदिरों तक, अद्भुत विविधता उपलब्ध है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर इन स्थलों का प्रभावी प्रचार-प्रसार अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पाया। ऐसे में सरकार और इंडिगो के बीच यह साझेदारी पर्यटन क्षेत्र को नई गति दे सकती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी प्रचार तंत्र है। डिजिटल और प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, हवाई अड्डों की ब्रांडिंग, उड़ानों के दौरान उपलब्ध प्लेटफॉर्म तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनियों के माध्यम से भारत के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार किया जाएगा। इससे भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक, वेलनेस, साहसिक, वन्यजीव और अनुभवात्मक पर्यटन को विश्वभर में नई पहचान मिलेगी। विशेष रूप से विदेशी यात्रियों तक सीधे पहुंच बनाने में इंडिगो का घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

यह साझेदारी केवल प्रचार तक सीमित नहीं, पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाने का अवसर भी देती है। पर्यटन मंत्रालय 'इन्क्रेडिबल इंडिया' ब्रांड से जुड़ी सामग्री उपलब्ध कराएगा, जबकि इंडिगो पर्यटन स्थलों पर केंद्रित आकर्षक सामग्री तैयार कर अपने ग्राहक मंचों के जरिए उसका प्रसार करेगा। इससे यात्रियों को यात्रा से पहले ही भारतीय पर्यटन स्थलों की जानकारी प्राप्त होगी और वे अधिक सुनियोजित ढंग से यात्रा की योजना बना सकेंगे। यह पहल भारत की सॉफ्ट पावर को भी मजबूत करेगी और देश की सकारात्मक वैश्विक छवि को बढ़ावा देगी। हालांकि इस अभियान की सफलता केवल प्रचार पर निर्भर नहीं करेगी। यदि पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता, सुरक्षा, परिवहन, डिजिटल सुविधाएं, प्रशिक्षित गाइड, गुणवत्तापूर्ण आवास और पर्यावरण संरक्षण जैसे बुनियादी पहलुओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, तो प्रचार का प्रभाव सीमित रह जाएगा। बढ़ती पर्यटक संख्या के साथ टिकाऊ पर्यटन, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा।

वास्तव में, पहल भारत के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक और रणनीतिक कदम है। यदि इसे बेहतर अवसंरचना, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सतत पर्यटन नीति के साथ जोड़ा जाए, तो भारत न केवल अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर सकेगा, बल्कि पर्यटन को आर्थिक विकास, रोजगार सृजन व सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम भी बना सकेगा। यह साझेदारी भारत की वैश्विक पर्यटन पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है।

■ **धर्मेंद्र सिंह कर्ण**

आस्था और विज्ञान

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग
इतिहास, चमत्कार और अद्भुत पौराणिक कथाएं

ऐतिहासिक महत्व

उज्जैन प्राचीन भारत की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी रही है। इसे राजा विक्रमादित्य की राजधानी भी माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार, महाकाल मंदिर का कई बार जीर्णोद्धार हुआ। मध्यकाल में आक्रमणों के दौरान मंदिर को क्षति पहुंची, लेकिन मराठा शासनकाल में विशेष रूप से राणोजी शिंदे के संरक्षण में इसका पुनर्निर्माण कराया गया।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन संस्कृति, इतिहास और आध्यात्मिक परंपरा का भी महत्वपूर्ण प्रतीक है। मान्यता है कि महाकालेश्वर स्वयंभू ज्योतिर्लिंग हैं, अर्थात यह किसी मनुष्य द्वारा स्थापित नहीं किए गए, बल्कि स्वयं प्रकट हुए हैं। इस कारण इनका महत्व अन्य ज्योतिर्लिंगों से भी विशेष माना जाता है।

चमत्कार और विशेषताएं

महाकालेश्वर मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर ही दक्षिण दिशा की ओर मुख किए हुए हैं। शास्त्रों में दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना गया है, इसलिए ऐसी मान्यता है कि महाकाल की आराधना करने वाले भक्त अकाल मृत्यु के भय से मुक्त होते हैं। 'भस्म आरती' भी इसकी अनूठी परंपरा है। प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में भगवान महाकाल का श्रृंगार भस्म से किया जाता है। हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन इस दिव्य आरती के दर्शन के लिए दूर-दूर से उज्जैन पहुंचते हैं।

महाकालेश्वर का पौराणिक इतिहास

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का उल्लेख शिव पुराण और अन्य प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। कथा के अनुसार, प्राचीन काल में उज्जयिनी (वर्तमान उज्जैन) में वेदप्रिय नामक एक महान शिवभक्त ब्राह्मण रहते थे। उनके चार पुत्र भी भगवान शिव के परम उपासक थे। उसी समय दूषण नामक एक अत्याचारी राक्षस ने नगर पर आक्रमण कर लोगों को आतंकित करना शुरू कर दिया। जब राक्षस ने शिवभक्तों पर अत्याचार बढ़ा दिए, तब सभी भक्तों ने भगवान शिव का स्मरण किया। उनकी पुकार सुनकर भगवान शिव पृथ्वी से स्वयं प्रकट हुए और अपने विकराल 'महाकाल' स्वरूप में दूषण का संहार कर दिया। इसके बाद भक्तों की प्रार्थना पर भगवान वहीं ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हो गए। तभी से वे 'महाकालेश्वर' के नाम से पूजे जाते हैं।

महाकाल से जुड़ी रोचक कथाएं

मान्यता है कि भगवान महाकाल उज्जैन नगरी के अदृश्य राजा हैं और आज भी पूरे नगर की रक्षा करते हैं। इसी कारण उज्जैन में किसी भी बड़े धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन से पहले महाकाल का आशीर्वाद लिया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, सम्राट विक्रमादित्य भगवान महाकाल के अनन्य भक्त थे। उन्होंने कठोर तपस्या कर भगवान शिव की कृपा प्राप्त की थी और अपने शासनकाल में उज्जैन को धर्म, ज्ञान और संस्कृति का प्रमुख केंद्र बनाया।

आध्यात्मिक महत्व

महाकाल केवल समय के देवता ही नहीं, बल्कि समय से परे स्थित परम शक्ति के प्रतीक भी माने जाते हैं। 'महाकाल' का अर्थ है, काल अर्थात समय और मृत्यु पर भी अधिकार रखने वाला। इसलिए यह ज्योतिर्लिंग जीवन की नश्वरता का स्मरण कराते हुए सत्य, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। महाकालेश्वर केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, श्रद्धा और सनातन परंपरा की जीवंत पहचान है।

आसमान पढ़ने का विज्ञान

कैसे लगाया जाता है मौसम का पूर्वानुमान

सुबह घर से निकलने से पहले हम अक्सर मौसम का हाल जानना पसंद करते हैं। बारिश होगी या धूप निकलेगी, तेज हवा चलेगी या उमस रहेगी। इन सभी जानकारियों का हमारी दिनचर्या और जीवनशैली पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि मौसम का पूर्वानुमान आज के समय में हर व्यक्ति की आवश्यकता बन गया है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक की मदद से मौसम वैज्ञानिक कई दिनों पहले तक मौसम का अनुमान लगाने में सक्षम हो गए हैं।

मौसम का पूर्वानुमान क्या है?

मौसम का पूर्वानुमान किसी निश्चित स्थान पर भविष्य में होने वाले मौसम का वैज्ञानिक अनुमान है। इसमें तापमान, वर्षा, हवा की गति, आर्द्रता, बादलों की स्थिति और वायुदाब जैसी जानकारियों का विश्लेषण किया जाता है। यह अनुमान पूरी तरह वैज्ञानिक आंकड़ों और कंप्यूटर आधारित गणनाओं पर आधारित होता है।

पूर्वानुमान के लिए आंकड़े कैसे जुटाए जाते हैं?

मौसम विभाग सबसे पहले विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करता है। इसके लिए मौसम केंद्र, स्वचालित मौसम स्टेशन, समुद्री जहाज, हवाई जहाज, मौसम गुब्बारे, रडार और उपग्रहों का उपयोग किया जाता है। ये उपकरण वातावरण में हो रहे छोटे-से-छोटे बदलावों को रिकॉर्ड करते हैं। उदाहरण के लिए, तापमान में अचानक परिवर्तन, हवा की दिशा या बादलों की गतिविधि भविष्य के मौसम का संकेत दे सकती है।

उपग्रह और रडार की भूमिका

मौसम उपग्रह पृथ्वी के ऊपर से लगातार बादलों की तस्वीरें भेजते हैं। इन तस्वीरों से यह पता चलता है कि बादल किस दिशा में बढ़ रहे हैं और उनका आकार कितना बड़ा है। वहीं, डॉप्लर रडार वर्षा, आंधी और तूफान की गति तथा दिशा का पता लगाने में मदद करता है। इन तकनीकों की सहायता से खराब मौसम की चेतावनी समय रहते जारी की जा सकती है।

क्या मौसम का पूर्वानुमान हमेशा सही होता है?

हालांकि आधुनिक तकनीक ने मौसम पूर्वानुमान को काफी सटीक बना दिया है, लेकिन वातावरण लगातार बदलता रहता है। कई बार अचानक बनने वाले बादल, स्थानीय हवाएं या अन्य प्राकृतिक कारण पूर्वानुमान को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अल्पकालिक पूर्वानुमान (1-3 दिन) अधिक सटीक माना जाता है, जबकि लंबी अवधि के अनुमान में कुछ अंतर संभव होता है।

कंप्यूटर मॉडल कैसे करते हैं भविष्यवाणी?

एकत्र किए गए सभी आंकड़ों को शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर में डाला जाता है। ये कंप्यूटर गणितीय मॉडल के माध्यम से वातावरण में होने वाले संभावित बदलावों की गणना करते हैं। इसके आधार पर अगले कुछ घंटों, दिनों या सप्ताह तक के मौसम का पूर्वानुमान तैयार किया जाता है। मौसम वैज्ञानिक इन परिणामों का विश्लेषण करके अंतिम पूर्वानुमान जारी करते हैं।

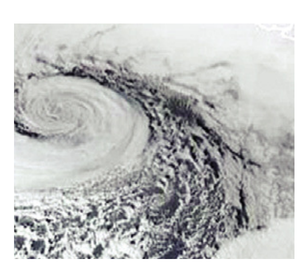

दैनिक जीवन में महत्व

मौसम का पूर्वानुमान केवल सुविधा ही नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण साधन है। किसान खेती की योजना बनाते हैं, मछुआरे समुद्र में जाने का निर्णय लेते हैं, विमान और रेल सेवाएं अपने संचालन में बदलाव करती हैं तथा आम लोग यात्रा, पिकनिक, खेलकूद और अन्य गतिविधियों की योजना मौसम के अनुसार बनाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात, भारी वर्षा या लू की पहले से जानकारी मिलने पर जान-माल की हानि भी कम की जा सकती है। इस प्रकार, मौसम का पूर्वानुमान विज्ञान, तकनीक और निरंतर निगरानी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

डिग्री नहीं स्किल्स तय करेंगी भविष्य का करियर

एक समय था जब अच्छी डिग्री को सफल करियर की सबसे बड़ी पहचान माना जाता था। प्रतिष्ठित संस्थान से शिक्षा प्राप्त करना ही नौकरी की गारंटी समझा जाता था। लेकिन तकनीक, वैश्वीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने रोजगार का स्वरूप बदल दिया है। आज कंपनियां केवल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि उम्मीदवार की वास्तविक कार्यक्षमता, रचनात्मक सोच और समस्याओं को हल करने की क्षमता को अधिक महत्व दे रही हैं। यही कारण है कि अब यह कहा जाने लगा है कि भविष्य का करियर केवल डिग्री नहीं, बल्कि स्किल्स तय करेंगी।

बदल रहा है रोजगार का परिदृश्य

आज का रोजगार बाजार पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील हो गया है। कंपनियां ऐसे कर्मचारियों की तलाश में हैं जो नई तकनीकों को शीघ्र सीख सकें और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों में लगातार अवसर बढ़ रहे हैं। इन क्षेत्रों में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं होती, बल्कि व्यावहारिक अनुभव और तकनीकी दक्षता सफलता का आधार बनते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा ने खोले नए अवसर

डिजिटल युग में सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गए हैं। अनेक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कम लागत या निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं। विद्यार्थी और नौकरीपेशा लोग अपनी सुविधा के अनुसार नए कौशल सीख सकते हैं तथा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर बढ़े हैं।

सॉफ्ट स्किल्स का बढ़ता महत्व

तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स भी आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी हैं। प्रभावी संवाद, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान जैसे गुण किसी भी कर्मचारी को दूसरों से अलग पहचान दिलाते हैं। कई कंपनियां भर्ती प्रक्रिया के दौरान इन कौशलों का विशेष परीक्षण करती हैं। इसलिए केवल किताबों का ज्ञान नहीं, बल्कि व्यवहारिक दक्षता भी करियर निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बन गई है।

युवाओं के लिए क्या है सीख?

आज के विद्यार्थियों और युवाओं को केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, प्रतियोगिताओं, स्वयंसेवी कार्यों और व्यावहारिक प्रशिक्षण में भाग लेकर अनुभव अर्जित करना आवश्यक है। नई तकनीकों को सीखने की आदत, लगातार स्वयं को अपडेट रखना और आजीवन सीखते रहने की मानसिकता ही भविष्य में सफलता की कुंजी बनेगी।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सनफार्मा	1.98 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.02 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	0.95 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.37 प्रतिशत
एमएंडएम	0.32 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,220
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,35,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.56	93.49
पौंड स्टर्लिंग	130.46	125.87
यूरो	111.80	107.64
चीन युआन	15.02	13.29

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

वैश्विक स्तर की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : गोयल

■ एफटीए से उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगों व उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक मिल रही बेहतर पहुंच

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्थानीय आर्थिक शक्ति से आगे बढ़कर वैश्विक विकास का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों के कारण उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगों और उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिल रही है। इससे राज्य के निर्यातकों, कारीगरों, किसानों और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'उत्तर प्रदेश स्थानीय से वैश्विक पहचान की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौते राज्य के उत्पादों और उद्योगों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन समझौतों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रमुख विनिर्माण और पारंपरिक उद्योगों को निर्यात बढ़ाने के नए अवसर मिल रहे हैं। गोयल ने बताया कि कानपुर का प्रसिद्ध चमड़ा उद्योग, जो लंबे समय से राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रहा है, अब भारत के व्यापारिक समझौतों के माध्यम से विदेशी बाजारों में अपनी पहुंच और मजबूत कर सकेगा।

उन्होंने नोएडा के तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों से प्राप्त वैश्विक बाजारों की पहुंच इस क्षेत्र के निर्यातकों और निर्माताओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

भारत व उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार की अपार संभावनाएं

■ खनन व टेक्सटाइल में अवसर मौजूद

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार की अपार संभावनाएं हैं और खनन, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइस जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं।

उज्बेकिस्तान के निवेश, उद्योग और व्यापार मंत्री लाजिज कुद्रतोव की उपस्थित में भारत-उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए गोयल ने दोनों देशों के कारोबारियों को साथ मिलकर निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेट करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, कहा कि दोनों देशों को अगले तीन वर्षों में अपने द्विपक्षीय कारोबार को दोगुना करने पर फोकस करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे, सम्मान और खुशहाली के साझा विजन पर आधारित रणनीतिक साझेदारी से व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के बहुत सारे मौके मिलते हैं। गोयल ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं, जिनका अभी तक पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार 1.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

रेलवे ने जुलाई में की 14.10 करोड़ टन माल की ढुलाई

■ सालाना आधार पर जुलाई में नौ प्रतिशत अधिक हुई माल ढुलाई

नई दिल्ली, 3 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय रेलवे ने इस साल जुलाई महीने में 14.10 करोड़ टन से ज़्यादा माल की ढुलाई की है, जो गत वर्ष के इसी महीने की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। रेलवे ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस बार जुलाई महीने में यात्री परिवहन के क्षेत्र में भी उसका प्रदर्शन शानदार रहा।

रेलवे ने इस साल जुलाई महीने में 63.35 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 62.19 करोड़ था। उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों ही क्षेत्रों में यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

विज्ञप्ति के अनुसार इस बार जुलाई माह के दौरान माल ढुलाई 14.13 करोड़ टन रही जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 12.97 करोड़ टन था। इस तरह सालाना आधार पर जुलाई में माल ढुलाई नौ प्रतिशत अधिक हुई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह शानदार प्रदर्शन अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों की मांग और माल ढुलाई कार्य की क्षमता बेहतर करने के रेलवे के लगातार प्रयासों का परिणाम है।

इस साल जुलाई महीने में लौह अयस्क की ढुलाई में सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत, कोयले में 11.5 प्रतिशत, खाद्यान्न में 11.5 प्रतिशत, उर्वरकों में 12 प्रतिशत और अन्य सामानों की ढुलाई में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है, जो बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों से मज़बूत मांग को दर्शाता है। तातापि विद्युत संयंत्रों में कोयले की मांग बढ़ने के कारण भारतीय रेलवे ने पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक घरेलू कोयले की आपूर्ति की है।

भारतीय एयरलाइंस का जून में अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक रहा मजबूत : रिपोर्ट

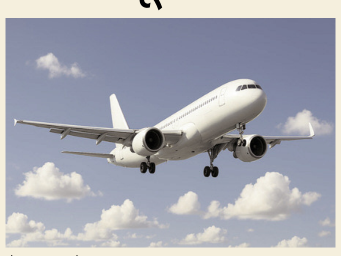

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक मासिक आधार पर जून में बढ़ा है। साथ ही, घरेलू पैसेंजर लोड फैक्टर भी मजबूत रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म इक्विरस ने कहा कि सीजन के दौरान अधिक ट्रैफिक के बाद घरेलू ट्रैफिक में थोड़ी कमी आई, लेकिन पैसेंजर लोड फैक्टर अच्छे बने रहे, जो सेक्टर में मजबूत मांग और क्षमता के सही इस्तेमाल को दिखाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर लगभग 95.4 पर आ गया, जिससे एयरक्राफ्ट लीजिंग, मेंटेनेंस और डॉलर में होने वाले अन्य ऑपरेटिंग खर्च बढ़ गए।

इस दौरान घरेलू एविएशन की मांग मजबूत बनी रही। जून 2026 में घरेलू पैसेंजर ट्रैफिक लगभग 13.5 मिलियन रहा, जो साल-दर-साल 1 प्रतिशत और महीने-दर-महीने 12 प्रतिशत कम है। यह गर्मियों में यात्रा के पीक सीजन के बाद आई मौसमी कमी को दिखाता है।

रेवेन्यू पैसेंजर किलोमीटर सालाना आधार पर लगभग 13.3 बिलियन पर स्थिर रहे, जबकि एयरलाइंस द्वारा क्षमता कम करने के कारण अवेलेबल सीट किलोमीटर में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की कमी आई। पैसेंजर लोड फैक्टर 85.7 प्रतिशत पर अच्छा बना रहा।

भारत में तेजी से विस्तार कर रही डेटा सेंटर

■ देश में डेटा सेंटर परियोजना से 2030 तक 4.33 लाख नौकरियों के सृजन होने की संभावना

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेजी से विस्तार कर रही डेटा सेंटर परियोजनाएं आने वाले वर्षों में रोजगार, बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट क्षेत्र में बड़े बदलाव की आधारशिला बन सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में प्रस्तावित लगभग 9,030 मेगावाट क्षमता की डेटा सेंटर परियोजनाएं वर्ष 2030 तक करीब 4.33 लाख प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार अवसर पैदा कर सकती हैं। इसके साथ ही आवासीय क्षेत्र में लगभग 19.5 करोड़ वर्गफुट अतिरिक्त मांग उत्पन्न होने का अनुमान है।

रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायर याईस की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वर्तमान में दुनिया के कुल डिजिटल डेटा का लगभग 20 प्रतिशत उत्पादन करता है, लेकिन वैश्विक डेटा सेंटर क्षमता में उसकी हिस्सेदारी केवल 4 प्रतिशत है। यह स्थिति देश में डेटा सेंटर अवसंरचना के विस्तार की अपार संभावनाओं की ओर संकेत करती है।

रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और एंटरप्राइज डिजिटाइजेशन में तेजी आने से डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश लगातार बढ़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप देश की स्थापित डेटा सेंटर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है, जो अवसंरचना-आधारित रियल एस्टेट विकास की नई लहर को जन्म देगी। विशेषज्ञों का मानना है कि डेटा सेंटर केवल डिजिटल सेवाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे अपने आसपास बिजली आपूर्ति नेटवर्क, फाइबर संपर्क व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स सुविधाओं और व्यावसायिक सेवाओं का विकास भी आकर्षित करते हैं। समय के साथ ये क्षेत्र विकसित होकर नए शहरी आर्थिक केंद्रों का रूप ले लेते हैं।

सार संक्षेप

इंडिगो के नए सीईओ विली वॉल्श ने पदभार संभाला

नई दिल्ली। इंडिगो के नए सीईओ विली वॉल्श ने एयरलाइन का कार्यभार संभाल लिया है और वह अब एयरलाइन के विकास के अगले चरण को रफ्तार देंगे। यह जानकारी कंपनी की ओर से सोमवार को दी गई। इससे पहले वॉल्श इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के डायरेक्टर जनरल थे। इंडिगो की ओर से वॉल्श को सीईओ बनाने का ऐलान मार्च में किया गया था। एयरलाइन ने कहा कि वॉल्श के पास ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री में चार दशकों से अधिक का अनुभव है और वे बोर्ड और मैनेजमेंट टीम के साथ मिलकर एयरलाइन की ऑपरेशनल खूबियों को और बेहतर बनाने और इसके लंबे समय के रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। वॉल्श का स्वागत करते हुए, इंडिगो के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया ने कहा कि एयरलाइन अपने तीसरे दशक में प्रवेश कर रही है और विकास के अगले चरण के लिए अच्छी स्थिति में है।

एनक्यूब एथिकल्स लाएगी 3,000 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली। मुंबई स्थित फार्मा कंपनी एनक्यूब एथिकल्स ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास प्रारूप रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि आईपीओ में एक रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। इसके तहत प्रवर्तक मेहुल मधुसूदन शाह तथा निवेशक विक्रेता शेयरधारक फ्रंटियर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, न्यूनतम 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए तथा न्यूनतम 35 प्रतिशत खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। साल 1995 में स्थापित एनक्यूब एथिकल्स लिमिटेड एक वैश्विक स्पेशियलिटी फार्मास्युटिकल फॉर्म्युलेशन कंपनी है।

जिंदल स्टेनलेस का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जिंदल स्टेनलेस को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 769 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में 7.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने सोमवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि तिमाही के दौरान उसका शुद्ध राजस्व 11,279 करोड़ रुपए रहा जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही से 10.5 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान उसका परिचालन लाभ भी 1.5 फीसदी बढ़कर 1,329 करोड़ रुपए हो गया। तिमाही के दौरान तैयार माल की कंपनी की बिक्री में 7.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 5,80,805 टन रह गई। समेकित शुद्ध ऋण 2,950 करोड़ रुपए रहा। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसके प्रदर्शन को वाहन, बुनियादी ढांचा, विनिर्माण तथा उपभोक्ता क्षेत्रों से मजबूत मांग का समर्थन मिला।

चौतरफा लिवाली से शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी

■ सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत ऊपर 78,639.03 अंक पर रहा

■ निफ्टी 1.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,774.30 अंक पर रहा

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता दोबारा शुरू होने की उम्मीद में सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी रही और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

चौतरफा लिवाली के बीच बीएसई का सेंसेक्स करीब 800 अंक की मजबूती के साथ खुला और अंत में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 544.39 अंक (0.70 प्रतिशत) ऊपर 78,639.03 अंक पर बंद हुआ। यह 21 अप्रैल 2026 के बाद (करीब 15 सप्ताह) का इसका उच्चतम स्तर है। निफ्टी-50 सूचकांक में 390.70 अंक यानी 1.6 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी रही और कारोबार की समाप्ति पर यह इस साल 02 मार्च के बाद के उच्चतम स्तर 24,774.30 अंक पर रहा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद कि सोमवार से ईरान के साथ शांति वार्ता फिर से शुरू हो सकती है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लुढ़क गया जिससे भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज करीब साढ़े चार प्रतिशत उतरकर 84 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.08 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.29 प्रतिशत मजबूत हुआ। निफ्टी मीडिया को छोड़कर सभी सूचकांक सकारात्मक बंद हुए। आईटी में 3.28 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग, वित्त, ऑटो, एफएमसीजी, धातु, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक एक से डेढ़ फीसदी चढ़े। तेल एवं गैस सेक्टर में भी अच्छी तेजी रही। एनएसई में जिन 3,505 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,358 के शेयर हरे निशान में रहे जबकि 1,027 में गिरावट रही। अन्य 120 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 में तेजी रही। विमान सेवा कंपनी इंडिगो का शेयर सबसे अधिक 4.22 फीसदी चढ़ा। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की टीसीएस में 3.57 प्रतिशत और इंफोसिस में 3.54 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इटरनल का शेयर भी 2.53 प्रतिशत मजबूत हुआ।

आईटीसी का शेयर 1.90 फीसदी, एक्सिस बैंक का 1.83, बजाज फिनसर्व का 1.75, एलएंडटी का 1.56, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.16, ट्रेंट का 1.01, भारतीय स्टेट बैंक का 0.93 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 0.91 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे।

भारत भर में वेल्थ बनाने को आसान बना रही हैं फोनपे म्यूचुअल फंड की डेली एसआईपी

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में आम लोगों के निवेश का सफ़र एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहाँ वेल्थ बनाना रोज़ की आदत बनती जा रही है। जैसे-जैसे पहली बार निवेश करने वाले लोग अनुशासित निवेश को अपना रहे हैं, डेली एसआईपी लंबे समय में वेल्थ बनाने के एक असरदार तरीके के तौर पर उभर रहे हैं। फोनपे म्यूचुअल फंड रोज़ाना सिर्फ़ 10 से माइक्रो-इन्वेस्टमेंट की सुविधा देकर निवेश में आने वाली रुकावटों को दूर कर रहा है और साथ ही निवेश के सबसे बुनियादी सिद्धांतों में से एक टाइमिंग से ज़्यादा निरंतरता ज़रूरी है को और भी मजबूत बना रहा है।

इस ट्रेंड पर बात करते हुए, फोनपे के म्यूचुअल फंड्स के हेड नीलेश डी नाइक का कहना है कि भारत की वेल्थ बनाने की यात्रा अब जब संभव हो तब निवेश करने से बदलकर नियमित और लगातार निवेश करने के रूप में विकसित हो रही है। फोनपे म्यूचुअल फंड में हमारा लक्ष्य हर भारतीय के लिए वेल्थ बनाना, रोज़ाना की एक आसान आदत बनाना है। चाहे आप निवेश शुरू करने वाले युवा प्रोफेशनल हों रोज़ाना कैश फ्लो वाले व्यापारी हों या बाज़ार में कम समय के उतार-चढ़ाव से निपटने का प्रयास करने वाले निवेशक हों, डेली एसआईपी फ़ीचर आपके वित्तीय लक्ष्यों को पाने का एक सुविधाजनक और आसान तरीका देता है।

हमारे रोज़ाना के एसआईपी ट्रांज़ैक्शन वॉल्यूम में हुई ज़बरदस्त बढ़ोतरी निवेशकों के व्यवहार में आए बड़े बदलाव को दिखाती है। यह साबित करता है कि जब माइक्रो-इन्वेस्टिंग इतनी तेज़ी से बढ़ती है, तो निवेश की गई रकम जितनी ही अहमियत निरंतरता की भी होती है। इस बात को समझने के लिए, फोनपे म्यूचुअल फंड का डेली एसआईपी डेटा लोगों के व्यवहार में आ रहे इस बदलाव को दर्शाता है। दिसंबर 2025 में इस फ़ीचर को लॉन्च करने के बाद से, प्लेटफ़ॉर्म ने 5 लाख से ज़्यादा यूनिक डेली एसआईपी निवेशकों को जोड़ा है, जो छोटी-छोटी और नियमित निवेश में बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। 2026 में इस बढ़त ने और भी तेज़ रफ्तार पकड़ी है।

कमजोर डॉलर से सोने-चांदी में तेजी कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,511 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,002 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10:20 पर यह 403 रुपए या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,41,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,550 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,42,002 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,198 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,17,995 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी 2,149 रुपए या 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,347 रुपए प्रति किलो पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,683 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,399 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,120 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.51 डॉलर प्रति औंस पर थी। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना है। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध रुकने से कच्चे तेल की कीमत नीचे आई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की मांग घट गई है और डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है।

जुलाई में कैप्टिव व वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन 9.6 प्रतिशत बढ़ा : केंद्र

■ आयातित कोयले पर निर्भरता में कमी आएगी

■ सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन जुलाई में सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़कर 14.78 मिलियन टन (एमटी) हो गया है। यह जानकारी कोयल मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। इस दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयले की आपूर्ति 17.49 मिलियन टन तक पहुंच गई है।

कोयला मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह उत्साहजनक प्रदर्शन कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र में परिचालन दक्षता के सुधार, खनन उत्पादकता में वृद्धि और खनन क्षमताओं के अधिक प्रभावी उपयोग का परिचायक है। 'सरकारी डेटा में बताया गया कि कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से जुलाई तक संचयी उत्पादन 63.16 मिलियन टन रहा है, जो कि पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 59.42 मिलियन टन से 6.2 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से जुलाई तक कोयले की संचयी आपूर्ति 70.14 मिलियन टन रही है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 66.02 मिलियन टन से 5.8 प्रतिशत अधिक है।

मंत्रालय के मुताबिक, कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन में सतत वृद्धि के चलते आयातित कोयले पर निर्भरता में कमी आएगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, और देश की ऊर्जा सुरक्षा एवं औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कच्चे माल में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इससे सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलने की उम्मीद है। आगे कहा गया कि कोयला मंत्रालय कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रगतिशील नीतिगत पहल, सशक्त नियामक देखरेख और हितधारकों के निरंतर समर्थन के माध्यम से मंत्रालय उत्पादन वृद्धि को सुनिश्चित करने, आपूर्ति से संबंधित बाधाओं को खत्म करने और कोयले की उपलब्धता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। मंत्रालय यह भी सुनिश्चित करेगा कि कोयला क्षेत्र देश की बढ़ती ऊर्जा एवं औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे।

चेहरे की गंदगी और ऑयली स्किन से चाहिए छुटकारा तो मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं ये 5 चीजें

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। आज के समय में बाजार में चेहरे पर निखार लगाने के लिए तरह-तरह के महंगे प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन केमिकल युक्त होने के चलते लोग इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा करने में हिचकिचाते है। ऐसे में वे प्राकृतिक चीजों की ओर लौट रहे है। इन्हीं प्राकृतिक चीजों में मुल्तानी मिट्टी का नाम सबसे ऊपर आता है। आज भी घरों में इसका इस्तेमाल त्वचा की सफाई और देखभाल के लिए किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी को त्वचा के लिए इसलिए खास माना जाता है क्योंकि यह चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल, धूल और गंदगी को हटाने में मदद करती है।

मुलतानी मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को साफ रखने और फ्रेश महसूस कराने में मददगार होते हैं। हालांकि, सभी की त्वचा अलग होती है, इसलिए मुल्तानी मिट्टी में कुछ ऐसी प्राकृतिक चीजें मिलाई जा सकती हैं, जो अलग-अलग स्किन टाइप के हिसाब से बेहतर असर दे सकें।

गुलाब जल का मिश्रण

ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का मिश्रण फायदेमंद है। जिन लोगों के चेहरे पर ज्यादा तेल आता है, उनके लिए यह पैक त्वचा को साफ करने में मदद करता है। गुलाब जल त्वचा को ठंडक देने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर लगाने से चेहरे पर जमा अतिरिक्त तेल कम महसूस होता है और त्वचा ज्यादा साफ नजर आती है। इसे कुछ समय तक चेहरे पर लगाने के बाद पानी से धो लें। लेकिन बता दें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा में रूखापन आ सकता है।

दही मिलाकर गलाएं

अगर त्वचा रूखी या बेजान नजर आती है तो मुल्तानी मिट्टी में दही मिलाकर लगाए। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की ऊपरी परत पर मौजूद मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे चेहरा मुलायम महसूस होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी त्वचा से गंदगी साफ करने में मदद करती है। दोनों का मिश्रण त्वचा को तरोताजा करता है। सेंसेटिव त्वचा वाले लोगों को इसे पहले थोड़ी मात्रा में लगाकर देखना चाहिए।

शहद मिलाएं

सामान्य त्वचा वालों के लिए मुल्तानी मिट्टी में शहद मिलाना फायदेमंद होता है। शहद में प्राकृतिक नमी बनाए रखने वाले गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को सूखने से बचाने में मदद करते हैं। कई लोगों को मुल्तानी मिट्टी लगाने के बाद त्वचा में खिंचाव महसूस होता है, ऐसे में शहद मिलाने से त्वचा को अतिरिक्त नमी मिलती है। यह मिश्रण चेहरे को ज्यादा मुलायम और फ्रेश दिखाने में मदद करता है।

एलोवेरा जेल का उपयोग

धूप के कारण अगर त्वचा पर जलन महसूस हो रही है, तो मुल्तानी मिट्टी में एलोवेरा जेल मिलाकर लगाएं। एलोवेरा त्वचा को ठंडक देने के लिए जाना जाता है, और इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा को शांत करने में मदद करते हैं। मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का मिश्रण त्वचा को राहत देने और चेहरे को तरोताजा महसूस कराने में मददगार होता है।

हल्दी मिलाएं

चेहरे की रंगत को निखारने के लिए कुछ लोग मुल्तानी मिट्टी में हल्दी मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। हल्दी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा की देखभाल में मदद करते हैं। वहीं, मुल्तानी मिट्टी चेहरे से अतिरिक्त तेल और अशुद्धियां हटाने में मददगार होती है। लेकिन हल्दी की मात्रा हमेशा कम रखनी चाहिए, क्योंकि ज्यादा हल्दी कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या पीलेपन का कारण बन सकती है।

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करते समय भी सावधानी जरूरी है। हर किसी की त्वचा एक जैसी नहीं होती, इसलिए कोई भी नया फेस पैक लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अगर त्वचा पर जलन, खुजली या लाल निशान दिखाई दें तो इसका इस्तेमाल बंद कर दें।

मधुश्रावणी : पति की लंबी उम्र के लिए

नवविवाहिता करती हैं महादेव की यह विशेष पूजा

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। महादेव की कृपा पाने का सबसे खास महीना श्रावण है। हिंदू पंचांग के अनुसार यह महीना भोलेनाथ को बेहद प्यारा है। श्रावण के इस महीने में महादेव का जलाभिषेक हो या फिर सोमवार का व्रत, इसको बेहद खास माना गया है। ऐसे में इस सावन के महीने में महादेव की कृपा पाने के लिए शिवालयों में जहां एक तरफ भक्तों की भीड़ लगी रहती है, वहीं तपस्वी और साधु इस पूरे महीने पवित्र नदियों के किनारे वास कर हठयोग तक करते हैं। इस सबके बीच बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में इस महीने में नवविवाहिता अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मधुश्रावणी का व्रत रखती हैं।

मिथिलांचल में ब्राह्मण, कर्ण कायस्थ, स्वर्णकार यह त्योहार मनाते हैं। इनमें से जिनके भी परिवार में कन्या का विवाह होता है। वह नवविवाहिता कन्या शादी के साल पड़ने वाले श्रावण के महीने में 14-15 दिनों तक महादेव की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करती हैं

मिथिलांचल में ब्राह्मण, कर्ण कायस्थ, स्वर्णकार यह त्योहार मनाते हैं। इनमें से जिनके भी परिवार में कन्या का विवाह होता है। वह नवविवाहिता कन्या शादी के साल पड़ने वाले श्रावण के महीने में 14-15 दिनों तक महादेव की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करती हैं।

इस 14-15 दिनों के अनुष्ठान में नवविवाहिता को इसके अंतिम दिन घुटनों को 'टेमी' दिया जाता है। इसमें उस नवविवाहिता के घुटनों को अग्नि के संपर्क में लाया जाता है। यानी एक तरह से अग्नि परीक्षा से महिलाएं गुजरती हैं। इसको लेकर मान्यता है कि महिला के घुटने पर जितना बड़ा घाव होगा, उसके पति की आयु उतनी ही लंबी होगी। हालांकि, अब 'शीतल टेमी' का चलन ज़्यादा आम हो गया है, जहां यह अनुष्ठान बिना आग के किया जाता है। अगर आग का इस्तेमाल भी किया जाता है, तो वे बस महिलाओं के घुटनों के पास एक तेल का दीपक लाते हैं और फिर उसे तुरंत हटा देते हैं।

मधुश्रावणी को लेकर माना जाता है इसकी शुरुआत प्राचीन काल में नवविवाहित महिलाओं को उनके वैवाहिक जीवन में सहजता प्रदान करने के लिए की गई थी। महिलाएं दुल्हन के कपड़े पहनती हैं, मौसमी फूल और पेड़ों के पत्ते इकट्ठा करती हैं और उन्हें बांस की बनी टोकरियों में रखती हैं। वे प्रतिदिन भगवान शिव और उनकी पत्नी माता गौरी की पूजा भी करती हैं। सबसे बड़ी बात है कि यह पूजा महिला पुरोहित करवाती हैं और नवविवाहिता को वही कथा भी सुनाती हैं।

मधुश्रावणी के दौरान नवविवाहिता को नाग देवताओं, गौरी, सूर्य, चंद्रमा और नवग्रह की भी पूजा करनी होती है। इस त्योहार का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। संस्कृति को बनाए रखने में उनके महत्व को दर्शाने के लिए, जूही और मैनी जैसे पौधों का उपयोग अनुष्ठानों में किया जाता है।

चंपावत में बसा भोलेनाथ का एक ऐसा मंदिर, जहां पत्थरों पर की गई नक्काशी बताती है सदियों पुरानी गाथा

उत्तराखंड, 3 अगस्त (एजेंसियां)। देवभूमि उत्तराखंड की वादियों में बसा चंपावत इतिहास और आस्था का संगम हैं। इसी धरा में पुराना बालेश्वर मंदिर, अपनी समृद्ध इतिहास और शानदार आर्किटेक्चरल कला के लिए प्रसिद्ध है। सावन के पहले सोमवार में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर की भव्यता के बारे में बताया।

बालेश्वर मंदिर, भगवान शिव में पवित्र आस्था, एक समृद्ध इतिहास और शानदार आर्किटेक्चरल कला का एक शानदार संगम है

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंदिर का खास वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'देवभूमि उत्तराखंड के चंपावत जिले में मौजूद पुराना बालेश्वर मंदिर, भगवान शिव में पवित्र आस्था, एक समृद्ध इतिहास और शानदार आर्किटेक्चरल कला का एक शानदार संगम है। पत्थरों पर की गई इसकी बेमिसाल नक्काशी और पुरानी कारीगरी सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत की शानदार गाथा बताती है। चंपावत आने पर शिव के इस पवित्र धाम पर जरूर जाएं ताकि आपको गहरी आध्यात्मिक शांति का अनुभव हो और हमारी समृद्ध विरासत से कभी न भूलने वाला मिलन हो।'

बालेश्वर मंदिर पिथोरागढ़ से 76 किलोमीटर की दूरी पर चंपावत में स्थित जिले का सबसे कलात्मक मंदिर है। यह मंदिर बालेश्वर, रत्नेश्वर और चंपावती दुर्गा को समर्पित मंदिरों का समूह है और चन्द वंश के शुरुआती राजाओं द्वारा बनाया गया था। पहले मंदिर में जटिल संरचनात्मक विशेषताएं थीं और एक मंडप के साथ एक अभयारण्य था। इन मंदिरों की छत पर अभी भी जटिल नक्काशी दिखाई देती है जो कि उनकी प्राचीन महिमा और कलात्मक उत्कृष्टता का सबूत है।

एक कहानी के मुताबिक, भगवान शिव को समर्पित मंदिर एक समय में नागों की राजधानी हुआ करती थी। हालांकि, ऐसा लगता है कि शहर का नाम उनकी बहन चंपावती के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने शिव को समर्पित बालेश्वर मंदिर में ध्यान किया था। आज भी, यहां की देवी को चंपावती कहा जाता है और यहां पुराने मंदिर परिसर में एक मंदिर है। इसलिए चंद वंश ने बालेश्वर मंदिल कॉम्प्लेक्स बनाया था और 10वीं-12वीं सदी के बीच इसे अपनी राजधानी बनाया। देवी उनकी संरक्षक और रक्षक देवी भी बन गईं।

पेट संबंधित समस्या, बस 5 मिनट इस योगासन को करने से मिलेगा आराम

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। दिनभर ऑफिस में बैठकर रहने से पेट संबंधित समस्याएं शुरू होने लगती है। लगातार बैठने से पाचन तंत्र धीमा होता है और पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। ऐसी स्थिति में पश्चिमोत्तानासन सबसे सरल और असरदार योगासनों में से एक माना जाता है। 'पश्चिम' का अर्थ है, शरीर का पिछला हिस्सा और 'उत्तान' का अर्थ खिंचाव होता है। इस आसन को करने के दौरान शरीर आगे की तरफ झुकता है, जिससे पेट के अंगों पर हल्का-सा दवाब पड़ता है। इससे पाचन बेहतर होता है, पेट की चर्बी कम होती है और कब्ज की भी शिकायत दूर होती है। साथ ही, ये रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर दिनभर की थकान भी दूर करता है।

आयुष मंत्रालय के इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ-साथ साइटिका की संभावना को भी कम करता है। यह कब्ज, मोटापा, अपच और त्वचा रोगों को दूर करने में भी सहायक होता है। रोजाना कुछ समय तक इस आसन को करने से शरीर लचीला बनता है, पाचन में सुधार होता है, और तनाव कम होता है। इस आसन को करने के समय साधक अपने पैरों की तरफ झुकते हैं, जिससे रीढ़ की हड्डी से लेकर पैरों की मांसपेशियों तक पूरा खिंचाव होता है।

योग शास्त्रों में इस आसन को लंबी उम्र और बेहतर सेहत का राजा बताया गया है। इस आसन को करने से शरीर में खून का संचार बेहतर होता है, मोटापा कम होता है, और मन शांत रहता है। यह एक ऐसा योगासन है, जिसे हर उम्र के साधक कर सकते हैं।

■ पश्चिमोत्तानासन कब्ज, मोटापा, अपच और त्वचा रोगों को दूर करने में भी सहायक होता है

पश्चिमोत्तानासन करने से पहले इसका सही तरीका जानना जरूरी है। शुरुआत में शरीर पर अधिक दबाव न डालें। इस आसन के लिए सबसे पहले जमीन पर दोनों पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। हाथों से पैर के अंगूठों को छूने का प्रयास करें और सिर को घुटनों के पास लाएं। इस स्थिति में कुछ सेकंड रुकें, फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए वापस सामान्य अवस्था में आ जाएं। मंत्रालय ने अपने पोस्ट में उन लोगों को यह आसन करने से मना किया, जिनके पेट में अल्सर है। साथ ही विशेषज्ञ से परामर्श लेने की भी बात कही है।

बरखा सिंह ने सेट पर मनाया जन्मदिन, बोलीं- 'काम करते हुए जन्मदिन मनाना यादगार अनुभव'

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री बरखा सिंह ने 'क्रिमिनल जस्टिस: ए फैमिली मैटर' और 'द साबरमती रिपोर्ट' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स से खास पहचान बनाई। इन दिनों वह अपने नए प्रोजेक्ट में काफी बिजी हैं। इस बार उन्होंने अपना बर्थडे भी शूटिंग सेट पर सेलिब्रेट किया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह खुशी देने वाला अनुभव है, क्योंकि काम के प्रति उनकी लगन हमेशा से ऐसी ही रही है। बता दें कि बरखा सिंह आने वाले रियलिटी शो 'वी गॉट यू, गर्ल' की शूटिंग कर रही हैं।

जन्मदिन के मौके पर भी उन्होंने शूटिंग जारी रखी और सेट पर ही अपना खास दिन मनाया। इस बारे में बात करते हुए बरखा ने कहा कि उन्हें काम के बीच अपना जन्मदिन मनाने में कोई परेशानी नहीं होती बल्कि यह उनके लिए एक यादगार अनुभव बन जाता है। बरखा ने कहा, ''मेरा हमेशा से मानना रहा है कि किसी भी चीज को खास सामान्य दिनों से भी बनाया जा सकता है। इसलिए अपना जन्मदिन सेट पर मनाना मुझे बिल्कुल स्वाभाविक लगा।

अनिल कपूर ने अक्षय खन्ना की तारीफों के पुल बांधे, कहा

अक्षय खन्ना सच में कमाल के अभिनेता हैं

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म 'गांधी, माई फादर' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 19 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्माता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म का जश्न मनाया। साथ ही, अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर सराहना की।

बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म 'गांधी, माई फादर' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 19 साल पूरे किए

अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने अक्षय खन्ना को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के 'सबसे अच्छे एक्टर' में से एक कहा। उन्होंने लिखा, 'अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है, तो मुझे सच में उम्मीद है कि आप इसे देखेंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बहुत गर्व है, और यह मेरे साथ हमेशा रहेगी। आपको यह जहां भी मिले, इसे जरूर देखें।' इसी के साथ स्टोरीज सेक्शन के दूसरी स्लाइड पर अभिनेता अनिल कपूर ने अक्षय खन्ना के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आज अक्षय खन्ना को दर्शकों की तरफ से ढ़ेर सारे प्यार को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैंने हमेशा माना है कि वह हमारे सबसे अच्छे एक्टर्स में से एक हैं और फिल्म 'गांधी, माई फादर' में उन्होंने सच में कमाल की अदाकारी की थी। अगर किसी ने भी फिल्म देखी है, तो मुझे लगता है कि आप ठीक-ठीक समझ गए होंगे कि मैं कहना क्या चाहता हूं।' साल 2007 में फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा निर्मित फिल्म महात्मा गांधी और उनके सबसे बड़े बेटे हरिलाल गांधी के बीच के तनावपूर्ण और दर्दनाक रिश्तों पर आधारित थी।

'अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं'

जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात, तो करण वाही ने बताया डर का अनुभव

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं।

जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।' उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।' अभिनेत्री ने कहा, 'एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।''

वहीं, शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जैस्मिन के साथ नजर आ रहे अभिनेता करण वाही ने भी अपने अनुभव साझा किए हैं। करण ने शो में अपने डर और चुनौतियों को लेकर बात करते हुए कहा कि इंसान को अपने डर का असली एहसास तब होता है, जब वह वास्तव में उस स्थिति के सामने खड़ा होता है।

'एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो: जैस्मिन भसीन

करण वाही ने कहा, ''हम सभी सोचते हैं कि हमें अपने सबसे बड़े डर के बारे में पता है, लेकिन जब हम वास्तव में उसके सामने खड़े होते हैं, तब पता चलता है कि वह कितना बड़ा है। इस सीजन में एक ऐसा पल आया, जिसने मुझे सच में परखा और जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। 'खतरों के खिलाड़ी' की खूबसूरती यही है। यह शो आपको सिखाता है कि डर कितना भी बड़ा क्यों न हो, आपको खुद पर भरोसा रखना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।''

कोयला खदान का कचरा अब बनेगा पानी साफ करने का हथियार

नई दिल्ली, 3 अगस्त (एजेंसियां)। अब तक कोयला खदानों से निकलने वाले कोल गैंग्यू को सिर्फ एक बेकार ठोस कचरा माना जाता था। इसे या तो बड़े-बड़े ढेरों में फेंक दिया जाता था या फिर सस्ते निर्माण कार्यों में भराव सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन अब एक नई वैज्ञानिक समीक्षा (रिव्यू स्टडी) ने इस सोच को बदलने की दिशा दिखाई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यही कचरा भविष्य में गंदे पानी को साफ करने वाला प्रभावी कैटेलिस्ट (उत्प्रेरक) बन सकता है।

शोध में बताया गया है कि अगर कोल गैंग्यू को सही तरीके से प्रोसेस किया जाए, तो यह पेरॉक्सीमोनोसल्फेट (पीएमएस) नाम के शक्तिशाली ऑक्सीडेंट को सक्रिय कर सकता है। पीएमएस ऐसे रसायनों को भी तोड़ने में सक्षम है जो सामान्य जल शोधन तकनीकों से आसानी से खत्म नहीं होते। यानी यह तकनीक औद्योगिक अपशिष्ट जल में मौजूद जिद्दी और जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों को हटाने में काफी मददगार हो सकती है।

शोध में बताया गया है कि अगर कोल गैंग्यू को सही तरीके से प्रोसेस किया जाए, तो यह पेरॉक्सीमोनोसल्फेट (पीएमएस) नाम के शक्तिशाली ऑक्सीडेंट को सक्रिय कर सकता है।

कोल गैंग्यू को सिर्फ एक निष्क्रिय पदार्थ न माना जाए: लिक्सिन ली

इस अध्ययन के प्रमुख लेखक लिक्सिन ली का कहना है कि अब समय आ गया है कि कोल गैंग्यू को सिर्फ एक निष्क्रिय पदार्थ न माना जाए। इसकी अपनी खनिज संरचना भी रासायनिक प्रतिक्रियाओं में अहम भूमिका निभा सकती है। अगर इसकी प्राकृतिक क्षमता को सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए और फिर इसके साथ उपयुक्त सक्रिय तत्व जोड़े जाएं, तो इससे ज्यादा असरदार और व्यावहारिक जल शोधन तकनीक विकसित की जा सकती है। दरअसल, कोयला खनन और प्रोसेसिंग के दौरान बड़ी मात्रा में कोल गैंग्यू निकलता है। इसे खुले मैदानों में जमा कर दिया जाता है, जिससे कई पर्यावरणीय समस्याएं पैदा होती हैं। ये ढेर जमीन घेरते हैं, मिट्टी के कटाव को बढ़ाते हैं और समय के साथ इनमें मौजूद अम्लीय पदार्थ, नमक और धातुएं आसपास की मिट्टी और जल स्रोतों को प्रदूषित कर सकती हैं। हालांकि, इसी कचरे में सिलिका, एल्यूमिना, लौह युक्त खनिज और कई सूक्ष्म धातुएं भी मौजूद होती हैं, जो इसे एक संभावित उत्प्रेरक बनाती हैं।

रिसर्च में बताया गया है कि अगर इस सामग्री पर गर्मी, पीसने (ग्राइंडिंग) और रासायनिक उपचार जैसे तरीके अपनाए जाएं, तो इसकी संरचना बदल जाती है। गर्म करने से इसके स्थिर खनिज अधिक सक्रिय रूप में बदल जाते हैं। ग्राइंडिंग से इसके कण छोटे हो जाते हैं, नई सतहें बनती हैं और कई सूक्ष्म दोष (डिफेक्ट्स) पैदा होते हैं, जो रासायनिक प्रतिक्रियाओं को तेज करते हैं। वहीं, एसिड या क्षारीय उपचार से इसकी सतह, छिद्र और रासायनिक गुणों में बदलाव आता है। इन सभी प्रक्रियाओं का सही संयोजन इसे पीएमएस के साथ बेहतर तरीके से काम करने लायक बना सकता है। जब पीएमएस सक्रिय होता है, तो यह सल्फेट रेडिकल, हाइड्रॉक्सिल रेडिकल और सिंगलेट ऑक्सीजन जैसे बेहद सक्रिय रासायनिक कण पैदा करता है। ये कण पानी में मौजूद जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों को तोड़कर कम हानिकारक पदार्थों में बदल देते हैं। कई मामलों में यह प्रक्रिया सीधे इलेक्ट्रॉन ट्रांसफर के जरिए भी होती है। कौन-सा तरीका ज्यादा प्रभावी होगा, यह कैटेलिस्ट की संरचना, प्रदूषक की प्रकृति और पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। शोधकर्ताओं ने टेट्रासाइक्लिन एंटीबायोटिक और फिनॉलिक यौगिकों को इस तकनीक की जांच के लिए सबसे उपयुक्त प्रदूषक बताया है। टेट्रासाइक्लिन की रासायनिक संरचना काफी जटिल होती है, इसलिए यह पता लगाने में मदद मिलती है कि कैटेलिस्ट कितनी अच्छी तरह प्रदूषकों को अपनी सतह पर पकड़कर उन्हें तोड़ सकता है।

भारतीय मतदाता संसद

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुठ्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

मुख्यमंत्री बोले- अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से भोपाल को मिलेगी वैश्विक पहचान

अक्टूबर–नवंबर में होगी एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप, 985.76 करोड़ रुपये से बन रहा अत्याधुनिक खेल परिसर

सीएम ने निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

● भोपाल / खेल संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नाथू बरखेड़ा में विकसित हो रहा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी खेल अधोसंरचना परियोजनाओं में शामिल है। 136.296 एकड़ क्षेत्र में 985.76 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह परिसर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा और मध्यप्रदेश को स्पोर्ट्स हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, युवा आयोग अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा खिलाड़ी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के सिंथेटिक हॉकी टर्फ और एथलेटिक्स ट्रैक का अवलोकन किया। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि पहले चरण में 5 हजार दर्शक क्षमता वाले हॉकी स्टेडियम, सिंथेटिक हॉकी टर्फ और अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण पूरा हो चुका है तथा इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में यहां एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किए जा रहे सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक और उसके मध्य निर्मित हो रहे फुटबॉल स्टेडियम का भी निरीक्षण किया। 10 हजार दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।नाथू बरखेड़ा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण तीन चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एथलेटिक्स और हॉकी स्टेडियम तैयार किए गए हैं। दूसरे चरण में इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑल वेदर स्विमिंग कॉम्प्लेक्स, 300 खिलाड़ियों की क्षमता वाला छात्रावास तथा घुड़सवारी क्रॉस कंट्री ट्रैक का निर्माण नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। तीसरे चरण में क्रिकेट स्टेडियम और साइक्लिंग वेलोड्रोम का निर्माण प्रस्तावित है।राज्य सरकार ने इस परियोजना के पहले चरण के लिए 357.96 करोड़ रुपये तथा दूसरे चरण के लिए 627.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। कुल मिलाकर परियोजना पर 985.76 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने परिसर में आयोजित सेना भर्ती प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों से भी मुलाकात की। सेना भर्ती अधिकारियों ने बताया कि 4,500 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है, जिनमें से लगभग 3,000 का चयन किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया दिसंबर 2026 तक पूरी होगी और चयनित जवान 1 जनवरी 2027 से छह माह का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भारतीय सेना में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रेरित किया।

ग्लासगो के पदक विजेता एथलीटों को दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल से पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने सभी पदक विजेताओं, कोच और भारतीय दल के सदस्यों को इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को मिल रहे प्रोत्साहन, आधुनिक खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए जा रहे बेहतर संसाधनों के कारण भारत वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है।

सीएम बोले- 9 अगस्त को भोपाल में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर भोपाल में युवाओं और नागरिकों की भागीदारी से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देगी। राज्य शूटिंग अकादमी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के पोषण, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक आधारित कोचिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन, पुरस्कार और शासकीय सेवा संबंधी नियम जल्द तय करने को कहा। मुख्यमंत्री ने सभी सांदीपनि विद्यालयों में उपलब्ध भूमि पर खेल परिसर विकसित करने, मल्लखंभ और जिम्नास्टिक अकादमी शीघ्र शुरू करने तथा खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्र सरकार से अधिकाधिक अनुदान प्राप्त करने हेतु लगातार समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तर पर खेल अधोसंरचना के विकास, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुरूप खेल सुविधाएं विकसित करने पर भी जोर दिया।

कॉमनवेल्थ में भारत के जेन जी ने बढ़ाया देश का मान: सारंग

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारतीय खिलाड़ियों, विशेषकर देश के जेन जी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर भारत को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि परंपरागत पदक दिलाने वाले कई खेल इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं थे, इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि भारत अब हर खेल में वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। मध्यप्रदेश की खेल अकादमी के जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य और वेटलिफ्टर अजय बाबू ने रजत पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विश्वास जताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की मेजबानी करने वाला भारत वैश्विक खेल मंच पर नई उपलब्धियों का इतिहास रचेगा।

अहमदाबाद 2030 कॉमनवेल्थ का काउंटडाउन शुरु, ग्लासगो ने भारत को सौंपी जिम्मेदारी...

फेडरेशन ने नीरज चोपड़ा की मौजूदगी में आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को सौंपा ध्वज

● ग्लासगो / (एजेंसी) ;

11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रविवार देर रात भव्य समापन हो गया। समापन समारोह में स्कॉटलैंड के ग्लासगो ने आधिकारिक रूप से कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की जिम्मेदारी भारत को सौंपी। इसके साथ ही 2030 में अहमदाबाद (अमदावाद) में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के शताब्दी संस्करण की तैयारियों का औपचारिक आगाज हो गया।

ग्लासगो के हाइड्रो एरिना में आयोजित समापन समारोह में कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन का ध्वज टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा की मौजूदगी में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी.टी. उषा को सौंपा गया। यह पल कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया। ग्लासगो 2026 में भारत का अभियान भी इसी के साथ समाप्त हुआ। भारतीय दल ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। अब कॉमनवेल्थ गेम्स का ध्वज भारत के हाथों में है और अहमदाबाद 2030 की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।

जॉर्ज ब्लैक बोले- हमें विश्वास है कि भारत एक यादगार आयोजन करेगा

अपने संबोधन में ग्लासगो 2026 आयोजन समिति के चेयरमैन जॉर्ज ब्लैक ने अहमदाबाद को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ग्लासगो से अहमदाबाद तक, दो महान नदी तटीय शहरों को जोड़ने वाली यह यात्रा कॉमनवेल्थ गेम्स के शताब्दी संस्करण के लिए नई उम्मीदों का प्रतीक है। हमें विश्वास है कि भारत एक यादगार आयोजन करेगा। इसके बाद प्रिंस एडवर्ड, ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग ने आधिकारिक रूप से कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के समापन की घोषणा की और सभी कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ियों को चार वर्ष बाद अहमदाबाद में फिर मिलने का आमंत्रण दिया। पूरे समारोह के दौरान स्कॉटलैंड के लोकप्रिय कलाकार सैंडी थॉम, एलिफेंट सेशंस और रॉक बैंड सिंपल माइंड्स ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। समापन से पहले 11 दिनों की प्रतियोगिताओं के यादगार पलों का वीडियो मोंटाज भी दिखाया गया।

मेलानी वुड्स को मिला डेविड डिक्सन अवॉर्ड

इस अवसर पर कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने स्कॉटलैंड की व्हीलचेयर एथलीट मेलानी वुड्स को महिलाओं की 1500 मीटर टी-54 और 400 मीटर स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रतिष्ठित डेविड डिक्सन अवॉर्ड से सम्मानित किया।

जैस्मिन लंबोरिया ने तिरंगा थामकर की भारतीय दल की अगुवाई

समारोह की शुरुआत एथलीटों की परेड से हुई, जिसमें 74 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारतीय दल की ओर से बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया ने तिरंगा थामकर टीम की अगुवाई की। ऑस्ट्रेलियाई गायिका डेल्टा गुड्रेम ने बॉर्न टू ट्राई गीत प्रस्तुत कर खिलाड़ियों का स्वागत किया, जबकि प्रतियोगिता को सफल बनाने वाले हजारों स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया।

भारत ने दुनिया के सामने पेश की अहमदाबाद 2030 की झलक

ध्वज हस्तांतरण के बाद भारत ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति के जरिए अहमदाबाद 2030 की झलक दुनिया के सामने पेश की। प्रसिद्ध गायक-संगीतकार शंकर महादेवन के नेतृत्व में प्रस्तुत कार्यक्रम में अभिनेत्री और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर भी शामिल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम से हुई, जिसके बाद संगीत, नृत्य और दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और वसुधैव कुटुंबकम की भावना को प्रदर्शित किया गया। ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति में अहमदाबाद 2030 की तैयारियों, भारत की खेल यात्रा और शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स की परिकल्पना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुति ने हाइड्रो एरिना में मौजूद दर्शकों के साथ-साथ दुनिया भर के खेल प्रेमियों का भी ध्यान आकर्षित किया।

लक्ष्य की हैट्रिक से द आइकॉनिक स्कूल का विजयी आगाज, आईईएस को हराया

प्रथम यूजलोकेटर आइकोनिक इंटर स्कूल फुटबॉल का वर्मा ने किया उद्घाटन

● भोपाल / (एजेंसी)

प्रथम यूजलोकेटर आइकोनिक इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ द आइकॉनिक स्कूल में हुआ। मुख्य अतिथि आईपीएल क्रिकेटर अनिकेत वर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

पहले मैच में द आइकॉनिक स्कूल ने आईईएस स्कूल को 5-1 से हराया।

आइकॉनिक स्कूल के लक्ष्य ने शानदार हैट्रिक लगाई। दूसरे मुकाबले में कैंपियन भौरी ने पीपुल्स पब्लिक स्कूल को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। कार्यक्रम में यूज़लोकेटर के निदेशक एवं स्पोर्ट्स प्रमोटर फैसल मीर, डॉ. कृष्णा सिंह और द आइकॉनिक स्कूल की प्राचार्या सुमन पुरोहित दास सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विपिन ने एमएमए इंडिया नेशनल में जीता सिल्वर

● भोपाल / खेल संवाददाता

इंदौर के अभय प्रशाल इंडोर स्टेडियम में आयोजित 9वीं एमएमए इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में भोपाल के विपिन विश्वकर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बैंटम वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल हासिल किया। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से करीब 500 फाइटर्स ने हिस्सा लिया, जहां मुकाबले बेहद कड़े और प्रतिस्पर्धात्मक रहे।

विपिन विश्वकर्मा ने यूथ-ए कैटेगरी में भाग लेते हुए दो मुकाबले लड़े और अपने बेहतरीन प्रदर्शन से रजत पदक अपने नाम किया। विपिन की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाती है।

ताइक्वांडो में मप्र ने लगाया पदकों का चौका

रेवा को रजत, हर्षित, अस्मी और मान्या को कांस्य

● भोपाल / (एजेंसी)

ओडिशा के कटक में आयोजित प्रथम इंडिया ताइक्वांडो यूथ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीते। रेवा गुर्जर ने 63 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वहीं हर्षित बघेल, अस्मी भारती और मान्या मिश्रा ने अपने-अपने वर्गों में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
346 = 3	234 = 9
260 = 8	569 = 0
शुभांक	
दिन	रात
568 = 9	390 = 2
577 = 9	239 = 4
भाग्यांक	
2 4	6 8

www.kalyangame.com

करण जौहर फिर बने 'ट्रेटर्स 2' के होस्ट

फिल्ममेकर करण जौहर 'ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन के लिए होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। सोमवार को मेकर्स ने शो का प्रोमो जारी किया। इस प्रोमो में करण जौहर का स्टाइलिश अंदाज फैंस को नजर आया। पिछले सीजन में इस शो को उन्होंने शानदार तरीके से होस्ट किया था।

'ट्रेटर्स' इंटरनेशनल लेवल पर मशहूर रोमांचक रियलिटी फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है। इसका दूसरा सीजन दर्शकों को इस बार भारत में हैरान करेगा। यह शो 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर आएगा। शो में कई बॉलीवुड सेलेब्स, इंफ्लुएंसर्स के शामिल होने की बात सामने आई है।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए प्राइम वीडियो ओरिजनल, इंडिया के निदेशक और प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, 'शो ट्रेटर्स के पहले सीजन को मिली प्रतिक्रिया ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया। यह प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे खास रियलिटी फ्रेंचाइजी में से एक बन गया है, जिसने समझदारी भरे गेमप्ले, मनोवैज्ञानिक रणनीति और दिलचस्प मनोरंजन के अनूठे मिश्रण के साथ इस शैली को बदल दिया है। देश भर के दर्शक इसके भावनात्मक रूप से भरे माइंड गेम्स और बिना किसी फिल्टर वाले ड्रामे से जुड़ गए थे। दूसरे सीजन के साथ, दांव ऊंचे हैं, गेमप्ले और तेज हैं, ड्रामा और भी जबरदस्त है। खिलाड़ियों की नई लाइन-अप दर्शकों को हर मोड़ पर रोमांच से भर देगी। हम करण जौहर की होस्ट और मास्टर ऑर्केस्ट्रेटर के रूप में वापसी से बहुत उत्साहित हैं।'

करण कुंद्रा पर पुराने आरोपों को लेकर सान्वी तलवार ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई अभिनेत्री सान्वी तलवार ने अपने करियर के एक दौर में निजी विवाद को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। अब काफी समय बाद अभिनेत्री ने उस दौर को याद करते हुए अपनी सोच और उससे मिली सीख के बारे में बात की। सान्वी ने कहा कि किसी भी संवेदनशील मामले पर बोलने के लिए व्यक्ति का खुद मानसिक रूप से तैयार होना जरूरी है। उन्होंने महिलाओं को भी संदेश दिया कि अगर उनके साथ कुछ गलत हुआ है और वे उस समय अपनी बात नहीं रख पाईं, तो बाद में भी अपनी आवाज उठा सकती हैं। दरअसल, सान्वी ने टीवी शो ये कहां आ गए हम में अभिनेता करण कुंद्रा के साथ काम किया था। इसी शो के दौरान उन्होंने करण कुंद्रा पर कथित तौर पर गलत व्यवहार करने के आरोप लगाए थे। उनका आरोप था कि काम के दौरान करण कुंद्रा ने कथित तौर पर उनकी सहमति के बिना उन्हें किस किया और थप्पड़ भी मारा। इस मामले में शो की निर्माता एकता कपूर ने हस्तक्षेप किया था और इसके बाद शो की निर्देशन टीम में बदलाव किए गए थे। अब इस मामले पर बात करते हुए सान्वी ने कहा कि उन्होंने जिंदगी से यह सीखा है कि अपनी बात उसी समय रखनी चाहिए, जब इंसान खुद को इसके लिए पूरी तरह तैयार महसूस करे। अभिनेत्री ने कहा, पहले मैं अपनी बात सिर्फ उन्हीं लोगों से साझा करती थी, जिनके साथ बात करना मुझे जरूरी लगता था। जब कोई निजी बात कई लोगों तक पहुंचती है तो कई बार उसका मतलब बदल जाता है और कहानी अलग रूप ले लेती है। अब मैं अपनी बात खुलकर रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा खुद का फैसला है और मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। सान्वी ने कहा, अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि कोई बात सही है और उसे सामने रखना जरूरी है, तो उसे अपनी आवाज उठानी चाहिए। हर किसी का अपनी भावनाओं और अनुभवों को साझा करने का तरीका अलग होता है। किसी पर भी यह दबाव नहीं होना चाहिए कि उसे किसी घटना के तुरंत बाद ही बोलना पड़े। सही समय वही होता है, जब व्यक्ति खुद को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करे। जब सान्वी से पूछा कि उन्होंने इस मुद्दे पर इतने समय बाद बात क्यों की और उन महिलाओं के लिए उनका क्या संदेश है, जो अपने साथ हुए किसी गलत अनुभव के बारे में बोलने से डरती हैं, तो सान्वी ने कहा कि हर महिला को अपनी सुविधा और तैयारी के अनुसार फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर किसी महिला के साथ कुछ गलत हुआ है और वह उस समय अपनी बात नहीं रख पाई, तो इसका मतलब यह नहीं है कि अब बहुत देर हो चुकी है। जब भी वह खुद को तैयार महसूस करे, उसे आगे आकर अपनी कहानी बतानी चाहिए। अगर लोग अपने अनुभवों के बारे में बात नहीं करेंगे, तो सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाएगी। अभिनेत्री ने महिलाओं को हिम्मत देते हुए कहा, अपनी बात रखना बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए सही समय और सही मानसिक स्थिति का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति को अपनी आवाज की अहमियत समझनी चाहिए और अपने अनुभवों को दबाकर नहीं रखना चाहिए।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

समृद्धि शुक्ला ने रिश्तों में बराबरी पर रखी बात

मुंबई टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों अपने शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभिरा के किरदार को लेकर दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ वह अपनी सोच और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। इस बीच उन्होंने घर-परिवार, शादी और रिश्तों में जिम्मेदारियों के बंटवारे को लेकर अपनी राय साझा की है।

समृद्धि ने कहा कि आज के समय में भी कई महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियां अकेले संभालें, जबकि परिवार चलाने की जिम्मेदारी पति-पत्नी दोनों की बराबर होनी चाहिए।

समृद्धि शुक्ला ने महिलाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, आज भी कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनसे हर काम को संभालने की उम्मीद की जाती है। उनसे कहा जाता है कि वे बच्चों की देखभाल करें, अगर चाहें तो नौकरी करें और फिर घर लौटकर पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी निभाएं। कई बार महिलाएं खुद खाना नहीं बनातीं, फिर भी उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे घर की हर व्यवस्था पर नजर रखें, कुक से बात करें, घर के कामों को मैनेज करें और सुनिश्चित करें कि सब कुछ सही तरीके से चलता रहे।

उन्होंने कहा, इस तरह की सोच को बदलने की जरूरत है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वे मिलकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं। दोनों एक ही घर में रहते हैं, घर की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं और बच्चों की परवरिश में भी दोनों की बराबर भागीदारी होती है। ऐसे में यह सही नहीं है कि किसी एक व्यक्ति से ज्यादा जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद की जाए। समृद्धि ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी महिला ने बच्चे को जन्म दिया है और वह कुछ समय के लिए काम पर नहीं जा सकती, तो उस दौरान पति को आगे बढ़कर जिम्मेदारियां संभालनी चाहिए। वहीं, जब महिला दोबारा अपने करियर या सपनों की ओर लौटना चाहे, तो पति घर की जिम्मेदारियों में सहयोग कर सकता है।

रिश्ते में सबसे जरूरी चीज एक-दूसरे के सपनों को समझना और उनका सम्मान करना है। अभिनेत्री ने कहा, परिवार का मतलब एक-दूसरे का साथ देना होता है, न कि पुराने नियमों के अनुसार महिला और पुरुष की भूमिकाएं तय कर देना। किसी एक व्यक्ति से हमेशा त्याग करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। एक अच्छे रिश्ते में दोनों लोग एक-दूसरे के लिए जगह बनाते हैं और मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं।

भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बदली उनकी सोच लग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।'' अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।'' सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है। हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। उस सीन के लिए उन्होंने चूड़ियां पहनी थीं, लेकिन शूट पूरा होने के बाद हाथों में सूजन आने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया था। अपने इस अनुभव को याद करते हुए सीरत ने कहा, 'मुझे याद है जब हम फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग कर रहे थे। मैंने उस सीन के लिए चूड़ियां पहनी थीं और शूट पूरा होने के बाद सूजे हुए हाथों की वजह से हम उन्हें निकाल नहीं पाए। टीम की मदद से जैसे-तैसे चूड़ियां निकाली गई।'

ऋषभ शेट्टी की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी भूमि पेडनेकर

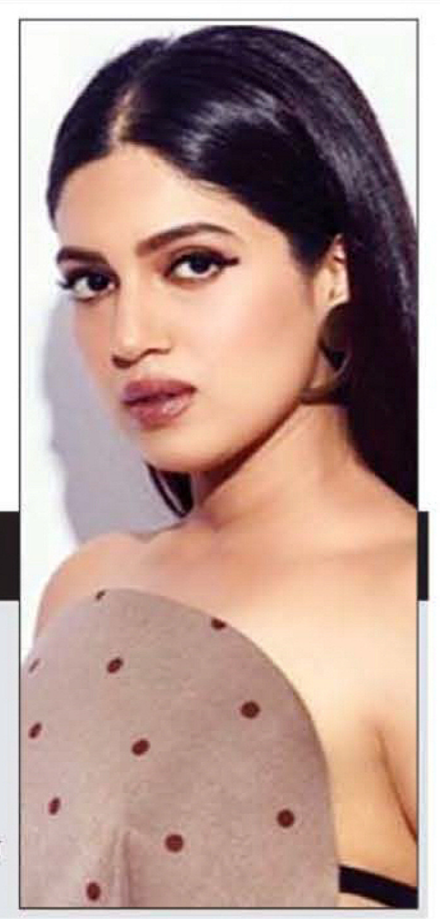

साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने चार माह के बेटे को गोद में लेकर शिवाजी महाराज की सेना से युद्ध लड़ी थीं।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630